NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.| B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

लखनऊ से प्रकाशित

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्ष: 14 अंक: 153 लखनऊ, रविवार 19 जनवरी 2025 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

इस तारीख महाकुम्भ में होगी योगी कैबिनेट की बैठक

कई अहम फैसलों पर लग सकती मुहर

उम्मीद है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कैबिनेट मंत्रियों के साथ राज्यव्यापी विकास को लक्षित करने वाली व्यापक विकास पहलों पर चर्चा करेंगे। 26 फरवरी तक चलने वाले कुंभ मेले की पृष्ठभूमि में, इन चर्चाओं से प्रयागराज और उससे आगे के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे संबंधी निर्णय सामने आ सकते हैं।

प्रयागराज (एजेंसी) उत्तर प्रदेश सरकार 22 जनवरी को प्रयागराज में बड़े पैमाने पर होने वाले धार्मिक आयोजन, महाकुंभ के अवसर पर एक महत्वपूर्ण कैबिनेट बैठक की योजना बना रही है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह बैठक प्रयागराज में होगी। उम्मीद है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कैबिनेट मंत्रियों के साथ राज्यव्यापी विकास को लक्षित करने वाली व्यापक विकास पहलों पर चर्चा करेंगे। 26 फरवरी तक चलने वाले कुंभ मेले की पृष्ठभूमि में, इन चर्चाओं से प्रयागराज और उससे आगे के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे संबंधी निर्णय सामने आ सकते हैं।बताया जा रहा है कि बैठक से पहले मुख्यमंत्री संगम में डुबकी भी लगा सकते हैं। प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ में मात्र छह दिनों के अंदर सात करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं, कल्पवासियों और पूज्य साधु–संतों ने त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई है और एक आधिकारिक बयान के अनुसार उप्र सरकार का अनुमान है कि इस बार महाकुम्भ में कुल 45 करोड़ से भी ज्यादा लोग आएंगे। इतनी बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा महाकुम्भ पुलिस के लिए भले ही एक बड़ी चुनौती है, लेकिन मेला क्षेत्र में स्थापित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) भीड़ प्रबंधन के लिहाज से वरदान साबित हो रहा है। इसके माध्यम से न सिर्फ मेला क्षेत्र में आ रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को नियंत्रित करने में मदद मिल रही है बल्कि कई तरह के सर्विलांस में भी यह मददगार बन रहा है। महाकुम्भ के पहले दिन पौष पूर्णिमा स्नान पर्व और मकर संक्रांति के अमृत स्नान पर भारी भीड़ को सुनियोजित तरीके से नियंत्रित करने में आईसीसीसी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आईसीसीसी के प्रभारी एसपी अमित कुमार ने बताया कि यहां पर 2750 कैमरे लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से न सिर्फ मेला क्षेत्र में बल्कि पूरे शहर क्षेत्र पर नजर रखी जा रही है। तीन कोण से निगरानी की जा रही है, पहला है सुरक्षा, दूसरा प्रबंधन और तीसरा है अपराध।

13 फरवरी का दिन बड़ा खास रहने वाला है!

साबरमती के डिब्बों को जलाने वालों को होगी फांसी?

साबरमती एक्सप्रेस के 6 कोच में आग लगने से 58 लोगों की मौत हो गई थी। उनमें अयोध्या से लौट रहे कारसेवक शामिल थे। गोधरा कांड ने गुजरात में सांप्रदायिक दंगों को भड़का दिया था। मार्च 2011 में ट्रायल कोर्ट ने 31 लोगों को दोषी ठहराया, जिनमें से 11 को मृत्युदंड और शेष 20 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

नई दिल्ली सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड मामले में गुजरात सरकार और कई अन्य दोषियों द्वारा दायर अपील पर 13 फरवरी को सुनवाई करेगा।जस्टिस जेके महेश्वरी और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच ने इस मामले को बार बार टालने की मांग पर असंतोष व्यक्त किया। जस्टिस महेश्वरी ने कहा कि हमने 5–6 बार स्थगन दिया है। पिछले एक साल से मैं इस मामले को स्थगित कर रहा हूं।श शुरुआत में याचिकाकर्ताओं आरोपियों के वकीलों ने कई बिंदु उठाए, जिनमें यह भी शामिल था कि दोषी व्यक्तियों की क्षमा याचिकाएं राज्य के समक्ष लंवित हैं और पहले उनका निपटारा किया जाना चाहिए।

27 फरवरी 2002 का मामला साबरमती एक्सप्रेस के 6 कोच में आग लगने से 58 लोगों की मौत हो गई थी। उनमें अयोध्या से लौट रहे कारसेवक शामिल थे। गोधरा कांड ने गुजरात में सांप्रदायिक दंगों को भड़का दिया था। मार्च 2011 में ट्रायल कोर्ट ने 31 लोगों को दोषी ठहराया, जिनमें से 11 को मृत्युदंड और शेष 20 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। 63 आरोपी बरी कर दिए गए थे। 2017 में गुजरात हाई कोर्ट ने 11 दोषियों की मृत्युदंड को आजीवन कारावास में बदल दिया। 20 को दी गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा था।

रेकॉर्ड डिजिटल तौर पर पेश किए जाएंरू कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि हर मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को अलग तरीके से देखा जाना चाहिए। एक व्यक्तिगत दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है। जस्टिस महेश्वरी बार–बार स्थगन के अनुरोध पर नाराज दिखे और कहा कि इस मामले की सुनवाई उनके ऑफिस में होनी चाहिए और अगली सुनवाई की तारीख पर पक्षों को अपनी दलीलें शुरू करनी होंगी। जो भी रेकॉर्ड गुजराती भाषा में हैं उन्हें अंग्रेजी में अनुवाद किया जाए। उन्हें डिजिटल तौर पर उपलब्ध कराएं ताकि सभी पक्षों को रेकॉर्ड्स मिल सकें।

राजस्थान में महिला शिक्षा का गला घोंट रही भाजपा की सरकार :अशोक गहलोत

जयपुर (एजेंसी) राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार महिला शिक्षा का गला घोंट रही है। गहलोत ने सरकार द्वारा बालिका विद्यालयों को बंद किए जाने संबंधी एक खबर साझा करते हुए 'एक्स' पर कहा, "कालीबाई भील की धरती राजस्थान में महिला शिक्षा का गला घोंट रही है भाजपा।" कांग्रेस नेता ने कहा, "अच्छी नामांकन संख्या वाले विद्यालयों को बंद करना भाजपा की महिला शिक्षा पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' है। इनका छिपा हुआ एजेंडा सामने आ रहा है, ये नहीं चाहते कि लड़कियां पढ़ें लिखें और आगे बढ़ें।"उन्होंने कहा, "हमारी सरकार ने बालिकाओं के स्कूल छोड़ने की दर को कम से कम करने के लिए कम नामांकन होने पर भी विद्यालयों को सक्रिय रखा ताकि एक भी बच्ची को पढ़ाई न छोड़नी पड़े। हमने नीति बनाई कि जिन विद्यालयों में 11वीं और 12वीं कक्षा में बालिकाओं का नामांकन 500 से अधिक होगा, वहां कॉलेज खोल दिया जाएगा। हमारा प्रयास था कि बालिकाओं को पढ़ाई के अधिक से अधिक मौके दिए जाएं।"

केजरीवाल की गाड़ी पर पत्थर से हमले का आरोप

प्रवेश वर्मा ने भी किया पलटवार

आप ने हमले को कायरतापूर्ण बताते हुए आगे कहा कि केजरीवाल डरे नहीं रहेंगे। आप ने एक्स पर कहा कि भाजपा वालों, केजरीवाल आपके कायरतापूर्ण हमले से डरने वाले नहीं हैं, दिल्ली की जनता आपको करारा जवाब देगी।

नई दिल्ली (एजेंसी) आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान हमला हुआ है। पथराव हो गया जिससे अफरा–तफरी मच गई। आप सूत्रों ने इस सीट से बीजेपी उम्मीदवार प्रवेश वर्मा पर आरोप लगाया है कि उनके शुगुंडोंश ने केजरीवाल पर हमला किया। हमले के बाद एक्स पर पोस्ट में आम आदमी पार्टी ने लिखा कि इसमें कहा गया कि यह हमला भाजपा की हार के डर और घबराहट के कारण हुआ। पार्टी ने कहा हार के डर से बीजेपी घबरा गई और अपने गुंडों से अरविंद केजरीवाल पर हमला करवाया. बीजेपी उम्मीदवार प्रवेश वर्मा के गुंडों ने प्रचार के दौरान अरविंद केजरीवाल पर ईंट–पत्थरों से हमला किया और उन्हें चोट पहुंचाने की कोशिश की ताकि वह प्रचार न कर सकें।आप ने हमले को कायरतापूर्ण बताते हुए आगे कहा कि केजरीवाल डरे नहीं रहेंगे। आप ने एक्स पर कहा कि भाजपा वालों केजरीवाल आपके कायरतापूर्ण हमले से डरने वाले नहीं है दिल्ली की जनता आपको करारा जवाब देगी।

प्रवेश वर्मा ने क्या कहा?

हालांकि प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल और आप पर निशाना साधते हुए कहा है कि उनका काफिला बीजेपी कार्यकर्ता के पैर को कुचलते हुए आगे बढ़ गया था और वह अस्पताल जा रहे थे। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल की गाड़ी बीजेपी के कार्यकर्ता को कुचलते हुए आगे बढ़ गई है। बीजेपी के कार्यकर्ता का पैर टूट गया है और मैं उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के लिए लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज जा रहा हूं.यह है बहुत शर्मनाक है।

मिल्कीपुर में अखिलेश यादव ने किया बीजेपी की हार का दावा

लखनऊ (एजेंसी) समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने मांग की है कि मिल्कीपुर उपचुनाव निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया इस उच्च–स्तरीय चुनावी मुकाबले पर नजर रख रही है। लखनऊ में पत्रकारों से बात करते हुए सपा प्रमुख ने दावा किया कि बीजेपी मिल्कीपुर में अपनी जमीन खो चुकी है। उन्होंने कहा कि मिल्कीपुर में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार पीडीए के प्रतिनिधि है। समाजवादी पार्टी की ऐतिहासिक जीत होगी। मिल्कीपुर में बड़ा उपचुनाव है। अखिलेश ने कहा कि प्रदेश, देश और विदेश की मीडिया को भी वहां जाकर देखना चाहिए कि भाजपा सरकार में चुनाव कैसे होते हैं। हम सरकार से यह भी कहना चाहते है कि मिल्कीपुर के चुनाव पर सबकी नजर है। निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ चुनाव करायें। उन्होंने कहा कि मिल्कीपुर उपचुनाव देश के उपचुनावों के इतिहास का सबसे बड़ा चुनाव होगा। इसीलिए हम चाहते हैकि दुनियाभर के जो जर्नलिस्ट हैवो इस चुनाव को देखने–समझने–कवर करने आएं।

केंद्र ने कर्नाटक में गरीबों के लिए अतिरिक्त4.68 लाख मकान मंजूर किए:शिवराज सिंह

बेंगलुरु (एजेंसी) केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र ने कर्नाटक में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए अतिरिक्त 4.68 लाख मकानों को मंजूरी दी है। ग्रामीण विकास, कृषि और किसान कल्याण विभाग का प्रभार संभाल रहे चौहान ने यहां संवाददाताओं को बताया कि यह केंद्र द्वारा मूल रूप से स्वीकृत 2. 57 लाख मकानों के अलावा है। मंत्री ने कहा कि आज सुबह उनकी कर्नाटक के ग्रामीण विकास, राजस्व और कृषि मंत्रियों के साथ बैठक हुई।उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद राज्य के प्रत्येक गरीब परिवार को पक्का मकान उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत सितम्बर में 2.57 लाख मकान स्वीकृत किये तथा इसके लिए अनुदान भी जारी किया। मंत्री ने कहा, अब हमने लक्ष्य बढ़ाने का फैसला किया है और कुल मिलाकर 4.68 लाख अतिरिक्त घरों को मंजूरी दी है। भाजपा के लिए गरीबों की सेवा करना भगवान की पूजा है।चौहान ने कर्नाटक सरकार से आवास परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करने की अपील की। छमंत्री ने कहा कि सीमा क्षेत्र विकास योजना के तहत कर्नाटक के लिए 97 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने त्रिवेणी संगम में लगाई डुबकी महाकुंभ के छठे दिन पूजा-अर्चना की

रक्षा मंत्री के साथ भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी और पार्टी के अन्य नेता भी थे। इससे पहले उन्होने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ में अपनी यात्रा की घोषणा की थी। राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया, छआज, 18 जनवरी को, मैं महाकुंभ 2025 में भाग लेने के लिए प्रयागराज में रहूंगा।

प्रयागराज 18 जनवरी (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। महाकुंभ में हजारों लाखों लोग रोजाना संगम में डुबकी लगाने पहुंच रहे है। इसी बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ के छठे दिन त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई है। डुबकी लगाने के बाद राजनाथ सिंह ने पवित्र गंगा, यमुना और रहस्यमयी सरस्वती नदियों के संगम पर पूजा–अर्चना की।रक्षा मंत्री के साथ भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी और पार्टी के अन्य नेता भी थे। इससे पहले उन्होंने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ में अपनी यात्रा की घोषणा की थी। राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया, छआज, 18 जनवरी को, मैं महाकुंभ 2025 में भाग लेने के लिए प्रयागराज में रहूंगा। महाकुंभ भारत की समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है। इस पवित्र संगम में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं।छउत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, शनिवार को सुबह 10 बजे तक 1.98 मिलियन से अधिक तीर्थयात्री महाकुंभ मेले में आए। आंकड़ों के अनुसार, महाकुंभ मेले के छठे दिन 10 लाख से अधिक कल्पवासियों और 9.84 लाख तीर्थयात्रियों ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई।शुक्रवार, 17 जनवरी तक के आंकड़ों के अनुसार, अब तक 73 मिलियन से अधिक तीर्थयात्री महाकुंभ मेले में आ चुके हैं। महाकुंभ मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है और इस आयोजन में कई नामचीन नाम भी शामिल हो रहे हैं। सोमवार को महाकुंभ के शुभारंभ के साथ ही देश–विदेश से श्रद्धालु मंगलवार को मकर संक्रांति के अवसर पर पहले अमृत स्नान (पवित्र डुबकी) में भाग लेने के लिए प्रयागराज के त्रिवेणी संगम पर उमड़ पड़े। भारतीय और विदेशी दोनों ही तरह के श्रद्धालुओं ने पवित्र परंपरा में खुद को डुबोया और दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागम में अपना योगदान दिया। त्रिवेणी संगम के आसपास का माहौल भक्ति से भर गया क्योंकि विदेशी तीर्थयात्री मेले की आध्यात्मिक ऊर्जा में शामिल हुए। दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए विदेशी श्रद्धालु भजन गाने के लिए एकत्र हुए और भक्तिमय माहौल में घुलमिल गए। संगम पर देश भर से विभिन्न जातियों, वर्गों और भाषाओं के करोड़ों तीर्थयात्री कल्पवास की सदियों पुरानी परंपरा में भाग ले रहे हैं। अमीर हो या गरीब, व्यापारी हो या अधिकारी, पुरुष हो या महिला या ट्रांसजेंडर, हर कोई अपने मतभेदों को भूलकर भक्ति की भावना में एकजुट होकर संगम में पवित्र डुबकी लगाने

बिहार में बोले राहुल गांधी, संविधान सिर्फ किताब नहीं, इसमें हिंदुस्तान की सोच, जाति जनगणना की मांग पर कायम रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी) लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बिहार में हैं। पटना में श्संविधान सुरक्षा सम्मेलनश में बोलते हुए राहुल ने कहा कि हम चाहते थे कि जैसे हर जगह गंगा का पानी बहता है, वैसे ही संविधान की विचारधारा भी देश के हर व्यक्ति, हर संस्था तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि भारत को आजादी 15 अगस्त 1947 को नहीं मिली थी। अगर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत कह रहे हैं कि भारत को आजादी 15 अगस्त 1947 को नहीं मिली तो वह भारत के संविधान को खारिज कर रहे हैं। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर कड़े तेवर जारी रखते हुए राहुल ने कहा कि वह भारत के हर संस्थान से डॉ. बीआर अंबेडकर, भगवान बुद्ध, महात्मा गांधी की विचारधारा को मिटा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान में कहां लिखा है कि भारत की सारी संपत्ति केवल दो या तीन लोगों के हाथों में जानी चाहिए। आज के भारत में विधायकों और सांसदों के पास कोई शक्ति नहीं है। जब मैं बीजेपी के उन सांसदों से मिलता हूं जो पिछड़े समुदाय से हैं, दलित हैं, आदिवासी हैं तो वो कहते हैं कि हमें पिंजरे में बंद कर दिया गया है। राहुल ने कहा कि जैसे हमारा संविधान इस हॉल के कोने–कोने तक पहुंच गया। वैसे ही हम संविधान को हिंदुस्तान के कोने–कोने तक पहुंचाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि संविधान सिर्फ किताब नहीं है। इस किताब में हजारों साल की सोच है। इसमें हिंदुस्तान की सोच है। इस संविधान में भगवान बुद्ध, नारायण गुरु जी, बसवन्ना जी, फुले जी, गांधी जी, अंबेडकर जी की आवाज है।

दिल्ली में नहीं लागू होगी आयुष्मान भारत योजना, एमसीडी को एससी की फटकार

इस सप्ताह यानी 13 जनवरी से 18 जनवरी 2025 तक क्या कुछ हुआ? कोर्ट के कुछ खास अरर्डरश जजमेंट और टिप्पणियों का विकली राउंड अप आपके सामने लेकर आए हैं। कुल मिलाकर कहें तो आपको इस सप्ताह होने वाले भारत के विभिन्न न्यायालयों की मुख्य खबरों के बारे में बताएंगे।

नई दिल्ली (एजेंसी) महिलाओं के शशारिरिक ढांचेश पर टिप्पणी को केरल हाई कोर्ट ने यौन उत्पीड़न बताया। दिल्ली में फिलहाल लागू नहीं होगी आयुष्मान भारत योजना। कुलदीप सेंगर की अंतरिम जमानत बढ़ाने से दिल्ली हाई कोर्ट का इनकार। सुप्रीम कोर्ट ने एमसीडी को फटकार लगाते हुए कहा कि हम हलफनामा देखकर हैरान हैं। कोलकाता डॉक्टर रेप–मर्डर केस में 162 दिन बाद कोर्ट का फैसला आया। इस सप्ताह यानी 13 जनवरी से 18 जनवरी 2025 तक क्या कुछ हुआ? कोर्ट के कुछ खास ऑर्डरश्जजमेंट और टिप्पणियों का विकली राउंड अप आपके सामने लेकर आए हैं। कुल मिलाकर कहें तो आपको इस सप्ताह होने वाले भारत के विभिन्न न्यायालयों की मुख्य खबरों के बारे में बताएंगे।

दिल्ली में आयुष्मान अभी नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें दिल्ली सरकार को राष्ट्रीय राजधानी में आयुष्मान भारत योजना के कार्यान्वयन के लिए केंद्र के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने का निर्देश दिया गया था। शीर्ष अदालत का आदेश दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश के खिलाफ दिल्ली सरकार द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए आया, जिसमें आप सरकार को आयुष्मान भारत योजना के कार्यान्वयन के लिए केंद्र के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का निर्देश दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट में पेश होते हुए दिल्ली सरकार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि हाई कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच सत्ता की साझेदारी को फिर से परिभाषित किया है। सिंघवी ने शीर्ष अदालत के समक्ष पेश होते हुए कहा वे हमें मजबूर नहीं कर सकते।

सांसद राकेश राठौर पर मुकदमा दर्ज, कांग्रेस ने की न्यायिक जांच की मांग

लखनऊ(संवाददाता) कोतवाली में सांसद नव्व राकेश राठौर के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। इस प्रकरण को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री अजय राय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। अजय राय ने कहा कि राकेश राठौर बीते कुछ समय से भूमाफियाओं और पुलिस विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। उनकी यह लड़ाई सीतापुर के कुछ प्रभावशाली और आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों से थी। हाल ही में उन्होंने प्रेस वार्ता कर पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए थे।नव्व राय ने इस मामले को सुनियोजित साजिश करार देते हुए कहा कि जिस पुलिस तंत्र के खिलाफ नव्व राठौर आवाज उठा रहे थे, वही अब उनके खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति में निष्पक्ष जांच की उम्मीद करना संभव नहीं है।कांग्रेस पार्टी ने मांग की है कि इस मामले की तत्काल एक उच्चस्तरीय न्यायिक जांच कराई जाए, ताकि वास्तविक सच सामने आ सके और इस प्रकरण में न्याय हो।

ओडिशा ट्रेकिंग कैंप में 67 यूपी एनसीसी वाहिनी के कैडेट्स ने दिखाया दमखम

लखनऊ(संवाददाता) की प्रतिष्ठित 67 यूपी एनसीसी बटालियन के जूनियर डिवीजन के कैडेट्स ने ओडिशा में आयोजित 10 दिवसीय ट्रेकिंग कैंप में हिस्सा लेकर अपने साहस और समर्पण का परिचय दिया। इस कैंप में देशभर से एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया।कैम्प के दौरान कैडेट्स ने अपने घरों से दूर रहकर कठिन चुनौतियों का सामना किया और इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। कैंप में उनके साथ एएनओ अनिल कुमार एलएमआईसी भी मौजूद रहे। बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल पुनित श्रीवास्तव ने कैडेट्स और एएनओ को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनसे कैंप से जुड़ी जानकारियां साझा कीं।इस अवसर पर सूबेदार मेजर रंजीत कुमार, ट्रेनिंग जेसीओ सूबेदार जितेंद्र गुप्ता, ट्रेनिंग एनसीओ सीएचएम आनंद कुमार, और हवलदार आनंद प्रताप ने कैडेट्स के साथ बातचीत की। उन्होंने उन्हें जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने, अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी।यह ट्रेकिंग कैंप न केवल कैडेट्स के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अहम साबित हुआ, बल्कि उन्होंने इसमें नेतृत्व, अनुशासन और सहयोग की भी गहरी समझ विकसित की।

वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार: पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की कार्रवाई

लखनऊ,(संवाददाता) थाना वजीरगंज की पुलिस टीम ने वांछित वारंटी अभियुक्त संजय गुप्ता को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया।अभियुक्त संजय गुप्ता, पुत्र स्वर्गीय राजाराम गुप्ता, निवासी खत्री टोला मशकगंज, थाना वजीरगंज, लखनऊ, पर केस संख्या 1584ध 20 (अपराध संख्या 362ध18) ध ाारा 135 के तहत मामला दर्ज था। माननीय न्यायालय द्वारा अभियुक्त के खिलाफ गैर–जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया गया था।थाना वजीरगंज की पुलिस टीम ने अभियुक्त को उसके निवास स्थान से गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक अवधेश सिंह, कांस्टेबल गोकरन सिंह, और कांस्टेबल प्रदीप पाल शामिल थे।पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया है। थाना वजीरगंज की टीम की इस त्वरित कार्रवाई को सराहना मिली है।

शांति व्यवस्था भंग करने वाले तीन अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ,(संवाददाता) थाना रहीमाबाद के क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग करने वाले तीन अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। यह घटना ग्राम गोसवा में हुई, जहां पर एक मुकदमे को लेकर वादिनी श्रीमती कृष्णावती और अभियुक्तों के बीच विवाद हो रहा था। विवाद के दौरान वादिनी को शांत किया गया, लेकिन अभियुक्त लगातार उग्र हो गए और शांति व्यवस्था में खलल डालने लगे।पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अभियुक्तों को हिरासत में लिया और संज्ञेय अपराध की घटना को रोकने के लिए कार्यवाही की। गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है।गिरफ्तार अभियुक्तों में अंकित, अनुराग और बाबूलाल शामिल हैं, जिनका संबंध ग्राम गोसवा, थाना रहीमाबाद से है। पुलिस टीम के द्वारा इस कार्यवाही को अंजाम दिया गया।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने के आरोपी को गिरफ्तार, अपहृता बरामद

लखनऊ(संवाददाता), थाना मडियांव पुलिस ने एक नाबालिग लड़की को बहला–फुसलाकर भगाकर ले जाने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम रिशु रावत (19 वर्ष), निवासी ग्राम रमपुरवा, थाना बड्डोपुर, जनपद बाराबंकी है। आरोपी ने लड़की को बहला–फुसलाकर 08 जनवरी 2025 को घर से भगाया था।पुलिस को आरोपी और अपहृता की जानकारी मुखबिर से मिली, जिसके बाद पुलिस ने पुरनिया पुल के नीचे पहुंचकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी और लड़की से पूछताछ करने पर लड़की ने बताया कि वह वादी मुकदमा की पुत्री है।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर बौद्धिक विचार मंच की बैठक, प्रमुख मुद्दों पर चर्चा

लखनऊरू(संवाददाता) सरदार पटेल बौद्धिक विचार मंच के बैनर तले सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के अवसर पर विभिन्न मॉगो को लेकर बुद्धिजीवी वर्ग शनिवार को यू पी प्रेस क्लब में एकत्रित हुआ। इस बैठक में मंच के महामंत्री जगदीश शरण गंगवार ने प्रमुख मुद्दे उठाते हुए कहा कि देश के प्रत्येक जिला मुख्यालय के शहरों में एक मुख्य मार्ग और एक प्रमुख पार्क का नाम सरदार पटेल के नाम पर रखा जाए। इसके साथ ही शिक्षा और सामाजिक संस्थानों को भी उनके नाम पर स्थापित किया जाए।बैठक में डॉ. क्षेत्रपाल गंगवार (अध्यक्ष, सरदार पटेल बौद्धिक विचार मंच), अरुण कुमार सिन्हा (पूर्व आई.ए.एस. और संस्थापक संरक्षक), रवीन्द्र सिंह गंगवार, बी. आर. वर्मा, आर.एल. निरंजन, मुनीश गंगवार और योगेन्द्र सचान ने भी अपने विचार साझा किए।मंच के महामंत्री ने बताया कि यह मंच सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति, कुलपति, प्रशासनिकध्पुलिसध्सेना के अधिकारी, प्रोफेसर, चिकित्सक, शिक्षक, अधिवक्ता, व्यवसायी और समाजसेवियों का एक गैर राजनीतिक संगठन है, जो समाज की समस्याओं और भावनाओं को सरकार और निर्णयकर्ताओं तक पहुंचाता है। यह मंच सरदार पटेल के आदर्शों और विचारों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है।उन्होंने कुर्मी समाज की बढ़ती जनसंख्या और उनके राजनीतिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इसके अलावा, उन्होंने सरकार से कई अन्य मुद्दों पर ध्यान देने की अपील की, जैसे समाज के लिए विश्वविद्यालयों में कुलपति नियुक्ति, विधायकों के आधार पर मंत्रियों की नियुक्ति, और सरकारी आयोगों और संस्थाओं में समाज का प्रतिनिधित्व। उन्होंने क्रीमी लेयर की आय सीमा को बढ़ाकर 15 लाख रुपए करने की भी मांग की।अंत में, मंच ने यह भी घोषणा की कि मार्च 2025 में दिल्ली में एक सामाजिक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें देशभर के सांसदों और जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा। इस सम्मेलन में सरदार पटेल के आदर्शों और देश की एकता के लिए उनके योगदान पर चर्चा की जाएगी, साथ ही समाज की वर्तमान स्थिति और भविष्य की रणनीतियों पर विचार किया जाएगा।

समाजवादी चिंतन शिविर का उद्घाटन, पर्यावरण और समाजवाद पर चर्चा

लखनऊ(संवाददाता) समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने आज प्रयागराज कुम्भ मेला क्षेत्र के सेक्टर 11 में स्थित समाजवादी चिंतन शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पर्यावरण, गंगा और समाजवाद विषय पर एक महत्वपूर्ण गोष्ठी का आयोजन किया गया। श्यामलाल पाल ने अपने संबोधन में समाजवादी पुरोधा डॉ. राममनोहर लोहिया के पर्यावरण संबंधी दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए कहा कि डॉ. लोहिया ने हिमालय बचाओ और नदियों को साफ करो जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान दिलाया था। उन्होंने यह भी बताया कि समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने पीडीए वृक्षारोपण अभियान के तहत पूरे प्रदेश में करोड़ों पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया था, जिसके फलस्वरूप सपा कार्यकर्ताओं ने गांवों, पार्कों, बाग–बगिचों और घरों के आंगन में पेड़ लगाए।श्यामलाल पाल ने गंगा, यमुना और अन्य नदियों में बढ़ते प्रदूषण पर चिंता जाहिर की और कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने सफाई के नाम पर कई करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन नदियों की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। उन्होंने संविधान को लोकतंत्र की आत्मा बताते हुए कहा कि डॉ. अम्बेडकर द्वारा बनाए गए संविधान ने देश की व्यवस्था को दिशा दी है।इसके बाद, श्यामलाल पाल मेला क्षेत्र में स्थापित स्व0 मुलायम सिंह यादव स्मृति सेवा संस्थान पहुंचे और नेताजी की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।उद्भव संस्थान द्वारा 18 वर्षों से आयोजित इस चिंतन शिविर में पूरे मेला अवधि तक समाजवादी चिंतकों, विचारधारा से जुड़े लोगों और समाजसेवा से जुड़े व्यक्तियों के बीच समाजवाद, संविध ाान, लोकतंत्र, गंगा, पर्यावरण, कृषि, कुटीर उद्योग आदि विषयों पर चर्चा–परिचर्चा का आयोजन किया जाता है। शिविर के संयोजक अवध ेश आनंद ने सभी उपस्थित लोगों का स्वागत किया और संचालन अनंत बहादुर यादव ने किया।इस मौके पर सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, विधायक विजमा यादव, डॉ. मानसिंह यादव, पूर्व विध ाायक गण जोखूलाल यादव, और सैकड़ों अन्य नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यूपीआईटीईएक्स 2025:यूपी में निवेश और व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम

लखनऊ,(संवाददाता) उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड एक्सपो (न्च्प्ज्म्) 2025 का आयोजन आगामी 23 से 27 जनवरी तक लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में किया जाएगा। यह पांच दिवसीय आयोजन राज्य के औद्योगिक विकास और आर्थिक प्रगति को गति देने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। यूपी स्टेट चौप्टर, पीएचडीसीसीआई, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार, ओडीओपी उत्तर प्रदेश और इन्वेस्ट यूपी द्वारा सहयोगित इस एक्सपो में 300 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा लेंगे और 2 लाख से अधिक दर्शकों के आने की उम्मीद है।न्च्प्ज्म् 2025 का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की ओर बढ़ाने में सहायक सिद्ध होना है। यह व्यापार, निवेश और स्थानीय तथा अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को बढ़ावा देने का एक बड़ा अवसर प्रदान करेगा। आयोजन में प्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं का प्रदर्शित किया जाएगा, जिसमें ओडीओपी उत्तर प्रदेश, यूपी खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, गुजरात ओडीओपी, यूपीएसआरएलएम, राष्ट्रीय जूट बोर्ड, नाबार्ड और अन्य क्षेत्रों के लिए समर्पित पवेलियन होंगे।इस आयोजन में प्रमुख संस्थाएं जैसे रेडिको खेतान लिमिटेड, अधाता ग्लोबल लिमिटेड (टिम्बरवर्क्ज), केईआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड, गोल्डी समूह, सिडबी और एसबीआई भी शामिल हैं।न्च्प्ज्म् 2025 के सह–अध्यक्ष श्री राजेश निगम ने कहा, "यह एक्सपो उत्तर प्रदेश को वैश्विक व्यापार मानचित्र पर स्थान दिलाने के साथ–साथ राज्य में निवेश और रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न करेगा।ष् विवेक अग्रवाल, सह–अध्यक्ष, यूपी स्टेट चौप्टर, पीएचडीसीसीआई ने कहा, ष्यह एक्सपो प्लाईवुड उद्योग और राज्य को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए एक बेहतरीन अवसर है।इसमें प्रदेश के एमएसएमई को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने उत्पाद और सेवाओं को प्रदर्शित करने का भी महत्वपूर्ण अवसर मिलेगा। हर दिन सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें उत्तर प्रदेश की प्रतिभाओं को प्रदर्शित किया जाएगा।इस आयोजन में स्थानीय कारीगरों और ग्रामीण उद्यमियों के लिए भी नए अवसर उत्पन्न होंगे, जो अपने उत्पादों को वैश्विक मंच पर लाने का मौका पाएंगे।

राजेंद्र चौधरी ने इमरजेंसी मूवी देखी, आपातकाल पर दिया बयान

लखनऊ, (संवाददाता) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी ने कल लखनऊ में समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ इमरजेंसी पर बनी फिल्म देखी। इस फिल्म को देखने का उद्देश्य आपातकाल के दौरान नागरिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी के लिए किए गए संघर्ष को किस रूप में दर्शाया गया है, यह समझना था। श्री चौधरी ने बताया कि सत्तर का दशक संविधान द्वारा प्रदत्त अधि ाकारों के हनन का दौर था, जब छात्रों और नौजवानों ने लोकतंत्र की बहाली के लिए संघर्ष किया। उन्होंने आज के समय की परिस्थितियों से इस संघर्ष को जोड़ा और कहा कि आज भी नागरिक अधिकारों को समाप्त करने के प्रयास जारी हैं।श्री चौधरी ने याद किया कि 1975 में देश में आपातकाल लागू होने के बाद संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ था। विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया, अखबारों पर सेंसरशिप लागू की गई और चारों ओर दहशत का माहौल था। इस समय उन्होंने अपनी जान को जोखिम में डालते हुए अंडरग्राउंड पत्रिकाओं का संपादन किया, जिनमें श्प्रतिरोधश प्रमुख थी। वे बताते हैं कि एक बार जब वे और उनके सहयोगी श्प्रतिरोधश पत्रिका की प्रतियां लेकर राष्ट्रपति भवन चौराहे पर पहुंचे, तब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का काफिला उधर से गुजरा था और पुलिस द्वारा चेकिंग न किए जाने के कारण वे बच गए।श्री चौध ारी ने कहा कि आपातकाल के दौरान जेल में यातनाओं का सामना करना पड़ा था, लेकिन वे कभी भी लोकतंत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से पीछे नहीं हटे। उन्होंने इस समय के संघर्ष को देश में आज की परिस्थितियों से भी जोड़ा, जिसमें लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने और नागरिक अधिकारों पर हमलों की स्थिति उत्पन्न हो रही है।उन्होंने कहा कि वर्तमान में हम एक असंवैधानिक अघोषित आपातकाल के दौर से गुजर रहे हैं, जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों पर हमले हो रहे हैं। लोकतंत्र की रक्षा के लिए समाजवादी पार्टी हमेशा प्रतिबद्ध रही है और इसका इतिहास संघर्ष से भरा रहा है, विशेष रूप से अगस्त 1942 की क्रांति और आपातकाल के दौरान।फिल्म 'इमरजेंसी' पर श्री चौधरी ने कहा कि इसमें कुछ घटनाएं सत्यता से परे हैं और कुछ कथन जो इंदिरा गांधी के मुंह से कहे गए बताए गए हैं, वे उनके नहीं थे। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म का उद्देश्य सत्ता के अहंकार को चुनौती देना और यह बताना है कि जन आक्रोश के सामने सत्ता का अहंकार हमेशा पराजित होता है।इस अवसर पर उनके साथ समाजवादी पार्टी के अन्य नेता और कार्यकर्ता भी उपस्थित थे, जिनमें जूही सिंह, फखरूल हसन चांद, नवीन धवन बंटी, आशीष यादव सोनू, मधुकर त्रिवेदी, मणेन्द्र मिश्र मशाल और अन्य प्रमुख नेता शामिल थे।

समाजवादी पार्टी ने मिल्कीपुर उप-चुनाव में पुलिस अधिकारियों के स्थानांतरण की मांग की

लखनऊरू(संवाददाता) समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश को ज्ञापन सौंपते हुए 273–मिल्कीपुर विधान सभा उप–चुनाव क्षेत्र में पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि पुलिस थाना इनायतनगर के थानाध्यक्ष देवेन्द्र पाण्डेय, पुलिस थाना कुमारगंज के थानाध यक्ष अमरजीत सिंह और पुलिस थाना खण्डासा के थानाध्यक्ष संदीप सिंह को तत्काल प्रभाव से जनपद अयोध्या से बाहर स्थानांतरित किया जाए।ज्ञापन में श्री पाल ने आरोप लगाया कि इन पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में 07 जनवरी 2025 को चुनाव की घोषणा होने के बाद से समाजवादी पार्टी के एक दर्जन से अधिक निर्दोष पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, ग्राम प्रधानों पर झूठी, मनगढ़ंत और फर्जी एफ.आई.आर. दर्ज की जा रही हैं। इससे विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में भय का माहौल बन रहा है, जो चुनावों को प्रभावित कर रहा है।श्री पाल ने यह भी कहा कि इन एफ.आई.आर. को तुरंत निरस्त किया जाए ताकि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त रूप से संपन्न हो सकें। ज्ञापन में इस बात का उल्लेख किया गया है कि पुलिस थानाध्यक्षों के द्वारा समाजवादी पार्टी के विभिन्न नेताओं जैसे बख्तियार खां, राम बहादुर यादव, रामतेज यादव, मोहम्मद रईस अहमद उर्फ नियाज, काशीराम पाल, पुरूषोत्तम दास पटवा, विशाल पटवा, लालू यादव, रामलहू यादव और हिदेश यादव आदि पर झूठी एफ.आई.आर. दर्ज की गई हैं।

लखनऊ में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन, श्री पुंडरीक गोस्वामी जी महाराज करेंगे प्रवचन

लखनऊ,(संवाददाता) श्रीराधारमण सेवा समिति के तत्वाधान में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस कथा का आयोजन 19 जनवरी से 25 जनवरी 2025 तक डी.ए.वी. कालेज, पं. रास बिहारी तिवारी मार्ग, ऐशबाग, लखनऊ में होगा।कथा का प्रवचन राध ाारमण वृन्दावन के प्रसिद्ध आचार्य परमाराध्य श्री मन्माध्व गौड़ेश्वर वैष्णवाचार्य श्री पुंडरीक गोस्वामी जी महाराज द्वारा किया जाएगा, जो लखनऊ में पहली बार श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन कर रहे हैं। इस दौरान भक्तों को पुंडरीक जी महाराज द्वारा मधुर भजनों और रसमय कथा प्रसंगों के माध्यम से भगवान की दिव्य लीलाओं का आनंद लेने का अवसर मिलेगा।कथा का आयोजन 19 जनवरी को सायं 4 बजे से 7 बजे तक, 20 जनवरी से 24 जनवरी तक दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक, और 25 जनवरी को प्रातः 10 बजे से 1 बजे तक होगा। कथा के समापन के बाद भव्य भण्डारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें एक हजार भक्तों के लिए बैठने की व्यवस्था की गई है।कथा स्थल पर भक्तों के लिए सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा गया है। ई–रिक्शा की व्यवस्था की गई है, जिससे जो भक्त आने–जाने में असमर्थ हैं, उन्हें कथा स्थल तक लाया जा सके। ठंड को देखते हुए चाय की व्यवस्था की गई है और सुरक्षा के लिए 25 गार्ड तैनात किए गए हैं। कथा स्थल के समीप चरण पदुका स्टैंड भी बनाया गया है और वाहन पार्किंग के लिए अलग–अलग व्यवस्था की गई है।इस आयोजन को सफल बनाने के लिए आयोजक राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, अमरनाथ मिश्र, लोकेश अग्रवाल, समीर मित्तल, नवीन गुप्ता, शिवम अग्रवाल, आनन्द रस्तोगी, राहुल गुप्ता और अन्य प्रमुख समाजसेवी जुटे हुए हैं।इस दिव्य आयोजन में लखनऊवासियों को श्रीमद् भागवत कथा का लाभ प्राप्त करने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

लखनऊ में ट्रक से चोरी करने वाले गैंग का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

लखनऊरू(संवाददाता) पुलिस कमिश्नरेट के जोन–दक्षिणी अंतर्गत थाना बन्थरा और सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम ने खड़े ट्रकों से तिरपाल काटकर माल चोरी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। टीम ने चार शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का माल, जिसमें फार्चून कच्ची घानी सरसों का तेल और घ1,15,500 नकद शामिल हैं, बरामद किया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल डीसीएम वाहन (न्च71ज्3366) भी जब्त किया है।घटनाएं 1–2 जनवरी 2025 की मध्य रात्रि और 3 जनवरी को ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में हुई थीं, जब ट्रकों से तेल चोरी की शिकायतें दर्ज की गई थीं। पुलिस ने दोनों घटनाओं के मामलों को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की।तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर, पुलिस ने कटिबगिया क्षेत्र में छापा मारकर अभियुक्त रुखसार अहमद, नसीम अहमद, अरुण कोटार्य और सचिन चौरसिया को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि ये चोर गिरोह चोरी किए गए तेल को सस्ते दामों पर बेचता था।पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि गिरोह के सदस्यों पर पहले से ही कई मुकदमे दर्ज हैं। गिरोह के एक फरार सदस्य तपन कुमार केसरवानी की तलाश की जा रही है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और जल्द ही फरार अभियुक्त को भी गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है।

टी.बी. मुक्तभारत अभियान के अंतर्गत लखनऊमंडल में स्वास्थ्य जन जागरूकता अभियान

लखनऊ, (संवाददाता)भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'क्षय रोग–मुक्त भारत' अभियान के तहत 100 दिवसीय सघन श्राष्ट्रीय क्षय उन्मूलनश कार्यक्रम के अंतर्गत आज पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल में स्वास्थ्य जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। मण्डल रेल प्रबंधक श्री आदित्य कुमार के नेतृत्व में यह कार्यक्रम मण्डल चिकित्सालय बादशाहनगर एवं बादशाहनगर रेलवे स्टेशन पर आयोजित हुआ।कार्यक्रम के दौरान, मण्डल रेल प्रबंधक श्री आदित्य कुमार ने जिला क्षय रोग उन्मूलन टीम, किंग जार्ज मेडिकल कॉलेज के एफ.एम. रेडियो 'गूंज' की टीम, स्काउट गाइड की टीम और रेलकर्मियों तथा उनके परिवारजनों को 'टी.बी. हारेगा, देश जीतेगा' थीम पर शपथ दिलाई। शपथ के दौरान सभी ने क्षय रोग के उन्मूलन और टी.बी. के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया।मण्डल रेल प्रबंधक ने रेल यात्रियों और उपस्थित रेलकर्मियों को क्षय रोग के लक्षणों के बारे में जानकारी दी और इस महामारी को मिटाने के लिए मिलकर काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य विशेष रूप से टी.बी. के मामलों का पता लगाना, निदान में देरी को कम करना और उपचार परिणामों को बेहतर बनाना है, ताकि एक स्वस्थ और क्षय–मुक्त समाज की दिशा में कदम बढ़ाए जा सकें।इस अभियान के अंतर्गत मण्डल चिकित्सालय से बादशाहनगर रेलवे स्टेशन तक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसमें यात्रियों, रेलकर्मियों, रेलवे कॉलोनीवासियों, स्टेशन पर उपस्थित वेंडर्स और कुलियों को टी.बी. के प्रति जागरूक किया गया।इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षकध् बादशाहनगर डा. सुरेंद्रनाथ, अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. दीक्षा चौध ारी, डा. अयाज, डा. प्रशांत और अन्य चिकित्साधिकारी एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

तीन लाख से अधिक हाउस टैक्स बकायदार, नगर निगम ने वसूली तेज की

लखनऊ, (संवाददाता)नगर निगम लखनऊ ने हाउस टैक्स की वसूली को लेकर कड़े कदम उठाने का निर्णय लिया है। जिन भवन स्वामियों ने अब तक हाउस टैक्स का भुगतान नहीं किया है, उनके खिलाफ खाता सीजर, भवन सीलिंग और कुर्की की कार्रवाई में तेजी लाई जाएगी।शहर में कुल 7 लाख से अधिक प्रॉपर्टी हैं, जिनमें से 3 लाख 92 हजार प्रॉपर्टी का टैक्स अब तक जमा हो चुका है, जबकि 3 लाख 8 हजार प्रॉपर्टी ध ाारक ऐसे हैं जिन्होंने टैक्स नहीं जमा किया है। कमर्शियल प्रॉपर्टी धारकों पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विकास तथा शहरी जनसुविधाओं का सर्वश्रेष्ठ माडल दिखेगा लालगंज टाउन एरिया- प्रमोद तिवारी

विधायक मोना तथा राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने नगर विकास से जुड़ी करोड़ों की विकास परियोजनाओं की सौंपी सौगात, खिले चेहरे

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना एवं राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने शनिवार को लालगंज टाउन एरिया को करोड़ों की विकास परियोजनाओ की एकमुश्त सौगात सौंपी। विधायक आराधना मिश्रा मोना एवं राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने नगर पंचायत के विभिन्न वार्डो में दो करोड़ छियासी लाख इक्यावन हजार की लागत से नवनिर्मित पक्की सड़कों, पक्की नाली, इण्टरलाकिंग परियोजना का समारोहपूर्वक लोकार्पण किया। वहीं विधायक मोना तथा राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने सांगीपुर वार्ड एवं पूरे हरिकिशुन वार्ड में स्वीकृत साठ लाख इक्यान्वे हजार की लागत से तालाब के जीर्णोद्धार व सौन्दर्यीकरण एवं गौतमपुर वार्ड में सीसी नाले का निर्माण तथा खालसा सादात में प्राथमिक विद्यालय की चहरदीवारी व गेट तथा दीवानी वार्ड के प्राथमिक विद्यालय चंदापुर में चहरदीवारी व दिव्यांग शौचालय तथा विभिन्न वार्डो में सीसी रोड तथा नाली परियोजना के मद में स्वीकृत एक करोड़ बासठ लाख सैतीस हजार रूपये लागत की नगरीय विकास परियोजनाओं का वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य आधारशिला रखी। लालगंज नगर के घुइसरनाथ रोड पर पाण्डेय का पुरवा वार्ड मे जनसभा स्थल पर एकमुश्त लोकार्पण तथा शिलान्यास कार्यक्रम को देख यहां बड़ी संख्या में मौजूद व्यापारियों तथा नगरवासियों के चेहरे खिल उठे दिखे। जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि वह विधायक मोना के प्रयास से लालगंज टाउन एरिया को प्रशासनिक तथा ढ़ांचागत विकास के क्षेत्र में जिलास्तरीय हर जरूरी सुविधाओं से सुसज्जित बनाएंगे। उन्होने कहा कि पौराणिक धाम बाबा घुइसरनाथ के धार्मिक पर्यटन स्थली के लिए लालगंज बहुमुखी विकास का मजबूत हब दिखेगा। विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि लालगंज को शहरी जन सुविधाओ तथा बुनियादी विकास की चमक दी जाएगी। उन्होनें कहा कि रामपुरखास प्रदेश में विकास का आदर्श है। विधायक मोना ने कहा कि लालगंज टाउन एरिया को भी प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ नगरीय विकास का आदर्श स्वरूप यहां वृहद तथा दूरगामी विकास का अनुकरणीय मॉडल होगा। अध्यक्षता करते हुए चेयरपर्सन अनीता द्विवेदी ने सौहार्द और विकास के वातावरण की मजबूती में लोगों से सहयोग मांगा। चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने स्वागत भाषण में विधायक मोना एवं सांसद प्रमोद तिवारी के नगर के विकास में सौगातों के प्रति आभार जताया। ईओ अभय रंजन ने परियोजनाओं को समयबद्ध पूर्णता दिये जाने का लोगों को भरोसा दिलाया। समारोह में चेयरपर्सन अनीता की अगुवाई में सभासदों ने राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी तथा विधायक आराधना मिश्रा मोना का इन विकास परियोजनाओं की सौगात को लेकर सारस्वत सम्मान किया। लोकगायक परशुराम क्रोधी के विकास गीतों से जनसभा की समां बंधी दिखी। वहीं राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने धधुआ गाजन में समाजसेवी रमापति दुबे व मिश्राइनपुर में शिक्षाविद चंद्रमौलि पाण्डेय के निधन पर परिजनों से मिलकर संवेदना प्रकट की। लालगंज बाजार खास में समाजसेवी गौरीशंकर पाण्डेय के यहां राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी व विधायक मोना मांगलिक समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह पंकज, सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बबलू केडी मिश्र, आशीष उपाध्याय, धर्माचार्य विनय शुक्ल, विकास मिश्र, व्यापार मण्डल अध्यक्ष उदयशंकर दुबे, अधिवक्ता संघ के महामंत्री सूर्यकांत निराला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विभाकर शुक्ल, उपाध्यक्ष बालेन्द्र त्रिपाठी, शैलेन्द्र मिश्र, बृजेश द्विवेदी, राहुल मिश्र, पवन शुक्ला, पप्पू तिवारी, छोटे लाल सरोज, मो. मोकीम, शेरू खां, दारा सिंह, देवी प्रसाद मिश्र, अजय शुक्ल गुडडू, प्रो. राजकुमार पाण्डेय, डॉ. ज्ञानेन्द्रनाथ त्रिपाठी, अनुराग पाण्डेय, सत्यम यादव, इरफान खान, दयाराम वर्मा, जितेन्द्र कनौजिया, डॉ. अंजनी अमोघ, हरिशंकर सरोज, राममिलन वर्मा, निजाम खान, अनिल त्रिपाठी महेश, इं. रमेश शुक्ल, प्रधानाचार्य सुनील शुक्ल, पूर्व प्रमुख ददन सिंह, मुरलीधर तिवारी, पप्पू तिवारी, पारसनाथ मौर्य, राजू पाण्डेय, रामू मिश्र, इं. अतुल शुक्ला, त्रिभु तिवारी, दिनेश सिंह, गीता सिंह, मीना गौतम, सदाशिव यादव, हृदय नारायण मिश्र, संतोष पाण्डेय, सिंटू मिश्र, प्राशिसं के अध्यक्ष संतोष मिश्र, जगदीश तिवारी बबलू, पप्पू सिंह, पण्डित दुबे, सोनू सिंह आदि रहे।

धूमधाम से निकाली गई कलश शोभायात्रा

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के जगदीश मैरेज हाल में शनिवार से सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा आरम्भ हुई। कथा से पूर्व वेदी पूजन के बाद गाजे बाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा संगम चौराहा होते हुए बड़े हनुमान मंदिर, हरिहरम मंदिर पहुंची। यहां दर्शन पूजन के बाद वापस कथा स्थल पर समाप्त हुई। मुख्य यजमान विमला जगदीश द्विवेदी एवं निर्मला देवी दयाल द्विवेदी ने भगवान् भागवत का पुष्प, अक्षत, रोली, चंदन से पूजन किया। कथा व्यास भागवताचार्य जगदीप तिवारी ने कहा कि कलयुग में श्रीमद्भागवत कथा श्रवण करने से समस्त संताप नष्ट हो जाते हैं। बाल आचार्य अविरल शुक्ल ने भागवत कथा का महात्म्य बताया। कलश यात्रा में राम समुझ मिश्र अकेला, ओम प्रकाश तिवारी झुन्ना, मुकेश द्विवेदी, सुमित त्रिपाठी वत्सल, संतोष मिश्र, राजकुमार बरनवाल, अनंत शुक्ल, संदीप तिवारी, नीतेश द्विवेदी, सौम्य तिवारी, नितेश सिंह, हरिओम मिश्र, अर्चना, मीना, कंचन, अभिषेक द्विवेदी आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

लालगंज को लेकर इशारे ही इशारे में प्रमोद ने कह दी बड़ी बात, गूंजी तालियाँ

लालगंज, प्रतापगढ़। शनिवार को टाउन एरिया में विकास परियोजनाओं की सौगात सौपने आये राज्यसभा मे विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने इशारे ही इशारे में लालगंज के विकास को लेकर बड़ी बात कह दी ....। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि लालगंज में जिलास्तरीय सभी सुविधाएं मुहैया कराने का उनका आने वाले भविष्य के लिए एक बड़ा मकसद है। सांसद पिता प्रमोद तिवारी के मंतव्य पर मंच पर मौजूद विधायक आराधना मिश्रा मोना भी खुशनुमा अंदाज में मुस्कुराती दिखीं। वहीं सभा में मौजूद लोगों की तालियों की गडगडाहट भी प्रमोद तिवारी के इशारे की गर्मजोशी में दिखीं। वही सौगातों की झड़ी से खुश टाउन एरिया में विधायक मोना व सांसद प्रमोद तिवारी का शनिवार को कदम कदम पर जोरदार स्वागत भी लोगों की गर्मजोशी बयां करता दिखा। महिमापुर मोड़ से लेकर खालसा चौराहा, छोटी नहर तथा जनसभा स्थल पर लोगों ने मोना व प्रमोद तिवारी पर पुष्पवर्षा कर अपनी खुशी का इजहार किया। कार्यक्रम स्थल से लेकर लालगंज घुइसरनाथ मार्ग होर्डिंग्स व बैनर तथा स्वागत द्वारों से भव्य सजावट में भी देखा गया।

गणतन्त्र दिवस परेड में एनएसएस शिविरार्थी के चयनित होने पर जतायी गयी खुशी

लालगंज, प्रतापगढ़। गणतंत्र दिवस परेड में स्थानीय हेमवती नंदन बहुगुणा पीजी कालेज के शिविरार्थी को विशिष्ट स्वयंसेवक के रूप में चयनित होने पर शनिवार को महाविद्यालय में खुशी का माहौल दिखा। जानकारी मिलने पर प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र मिश्र ने शिविरार्थी का मुंह मीठा कराकर हौंसला आफजाई की। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा जारी परिपत्र में गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली के कर्तव्यपथ पर होने वाली परेड में महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविरार्थी बीए तृतीय वर्ष के छात्र आदर्श पाण्डेय का चयन हुआ है। एनएसएस में उत्कृष्ट कार्य को लेकर शिविरार्थी के चयन पर महाविद्यालय के शिक्षकों व छात्र छात्राओं में खुशी देखी गयी। गणतन्त्र दिवस की परेड समारोह में एनएसएस स्वयंसेवकों में यूपी के प्रयागराज, उन्नाव, मथुरा, बरेली, कानपुर, गोरखपुर के शिविरार्थियों के साथ प्रतापगढ़ के लालगंज के शिविरार्थी आदर्श का चयन हुआ है। प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष डॉ. पूर्णिमा मिश्रा एवं प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र कुमार मिश्र ने इस उपलब्धि को जिले के लिए गौरवपूर्ण कहा है। वहीं एनएसएस कार्यक्रमाधिकारी डॉ. फणीन्द्र नारायण मिश्र व डॉ. सीमा त्रिपाठी तथा चयनित शिविरार्थी आदर्श पाण्डेय को भी उपलब्धि के लिए सराहा गया।

आरोपी धराया, गया जेल

लालगंज, प्रतापगढ़। अधिवक्ता पर जानलेवा हमले के वांछित आरोपी को शनिवार को उदयपुर पुलिस ने धर दबोचा। उदयपुर के दरोगा सचिन कुमार फोर्स के साथ गश्त पर निकले थे। थाना क्षेत्र के चौहान का पुरवा के समीप एक पोल्ट्री फार्म के बगल झोपड़ी में संदिग्ध पुलिस को देखकर एक झोपड़ी के अंदर भागने लगा। पुलिस ने उसे झोपड़ी से हिरासत मे ले लिया। पकडे गये आरोपी पूरे वंशा कुम्भीआइमा निवासी रामसरन यादव के पुत्र राजकुमार को पुलिस ने दोपहर बाद जेल भेज दिया। गांव के अधिवक्ता रामछबीले यादव पर जानलेवा हमले को लेकर आरोपी हत्या के प्रयास समेत गंभीर धाराओं के केस में वांछित बताया गया।

पशु तस्करी के तीन आरोपी धराये, बीस गोवंश बरामद करने में लालगंज पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

तमंचे के साथ धरे गये आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस, भेजे गये जेल

लालगंज, प्रतापगढ़। एसपी के कामयाबी मिली है। प्रभारी निरीक्षक तीन अर्न्तजनपदीय पशु तस्करी के गोवंश को ले जा रहे ट्रक को भी व दरोगा कबीरदास फोर्स के साथ को सूचना मिली कि अर्न्तराज्यीय जा रहे हैं। इस पर पुलिस टीम मे रानीगंज कैथौला चौकी के अगई के साथ तीन आरोपियों को दबोच लिया। गये आरोपी अगई गांव के अहिरन ने एक तमंचा व एक कारतूस भी ा तथा उदयभान के पुत्र संजय यादव भी पुलिस को सफलता मिली। ट्रक में हतप्रभ रह गयी। पुलिस ने आरोपियों गोवंशो को गैरप्रान्त वध के लिए भेजे जाने की वह तैयारी कर रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ गोवध निवारण अधिनियम व पशु क्रूरता निवारक अधिनियम के साथ आर्म्स एक्ट का भी केस दर्ज किया है। आरोपियों को शनिवार को दोपहर बाद पुलिस ने जेल भेज दिया। पुलिस की सफलता पर अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी संजय राय ने कोतवाली पुलिस की सराहना की है। वहीं सीओ रामसूरत सोनकर ने प्रभारी निरीक्षक समेत टीम मे शामिल पुलिसकर्मियों को साहसिक सफलता के लिए एसपी से ईनाम की संस्तुति की है। टीम में प्रधान आरक्षी जाहिद हुसैन, आरक्षी सुमित शर्मा व आरक्षी यतेन्द्र चौधरी व आरक्षी नीतीश यादव की भी अफसरों ने पीठ थपथपाई है। अपराध नियंत्रण अभियान को लेकर लालगंज पुलिस को बडी नीरज यादव की अगुवाई में कोतवाली पुलिस ने बीस गोवंश के साथ आरोपियों को तमंचे तथा कारतूस के साथ धर दबोचा। पुलिस ने कब्जे मे लेकर सीज कर दिया। कोतवाली के दरोगा विवेक कुमार शनिवार की भोर गश्त पर निकले थे। प्रभारी निरीक्षक नीरज यादव पशु तस्कर एक ट्रक में कुछ गोवंश लादकर वध हेतु गैरप्रान्त ले शामिल दरोगा विवेक कुमार व दरोगा कबीरदास भारी फोर्स के साथ चंदना बाग में दबिश दी। पुलिस ने घेराबंदी कर गोवंश लदे ट्रक के वहीं भोर में अंधेरे का लाभ उठाते पांच बदमाश भाग भी निकले। पकड़े का पुरवा निवासी राजाराम यादव के पुत्र दुर्गेश के पास से पुलिस बरामद किया। वही इसी गांव के बैजनाथ यादव के पुत्र रामअवध को भी पुलिस ने दबोच लिया। ट्रक से बीस गोवंश बरामद करने में पशु तस्करों द्वारा बेरहमी से बांधे गये गोवंशों को देख पुलिस भी को हिरासत मे लेकर पूछताछ की। आरोपियो ने बताया कि इन

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश के श्रमिकों के हित में अनेक योजनाएं हो रही हैं संचालित - श्रम मंत्री

0-श्रम मंत्री श्री देवांगन ने 78 हजार से अधिक श्रमिकों के बैंक खाते में 31.81 करोड़ रूपए किए अंतरित
0-आगामी शिक्षा सत्र से अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना-श्रमिकों के बच्चों का होगा दाखिला
0-अब तक 430 करोड़ 03 लाख रूपए की राशि की जा चुकी है जारी

रायपुर,एजेंसी श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन आज शुक्रवार को शंकर नगर स्थित अपने निवास कार्यालय में 78 हजार से अधिक श्रमिकों के बैंक खाते में 31.81 करोड़ रूपए डीबीटी के माध्यम से अंतरित किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव की सरकार में प्रदेश के श्रमिकों और उनके परिवार के सदस्यों को लगातार योजनाओं का लाभ तेजी से मिल रहा है। इस अवसर पर अपर आयुक्त श्रम श्री एस. एल. जांगड़े, श्रम कल्याण मंडल के सचिव श्री अभिषेक पांडेय, उपायुक्त श्रम विभाग श्री पैकरा, सहायक श्रमायुक्त श्री आर. के. प्रधान सहित श्रमिक उपस्थित थे। इस अवसर पर श्रम मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश के श्रमिकों के हित में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है, जिसका सीधा लाभ श्रमिक भाई-बहनों को मिल रहा है। श्रम मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि आगामी शिक्षा सत्र से अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के अंतर्गत श्रमिकों के बच्चों को दाखिला दिलाया जाएगा, जिसका खर्च शासन द्वारा वहन किया जाएगा। मजदूर का बच्चा मजदूर न रहे और पढ़ लिखकर अपना बेहतर मुकाम हासिल कर सके। ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर 17 सितम्बर को राजधानी रायपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान डीबीटी के जरिए श्रमिकों के खाते में राशि अंतरित की थी। आज पांचवीं बार श्रमिकों के खाते में राशि हस्तांतरित की जा रही है। मुख्यमंत्री की सोच है कि समय-समय पर शासन की योजनाओं का लाभ श्रमिकों को मिले इस दिशा में सरकार द्वारा हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।इस अवसर पर श्रम मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव की सरकार में प्रदेश के श्रमिकों और उनके परिवार के सदस्यों को लगातार योजनाओं का लाभ तेजी से मिल रहा है। श्रम विभाग के तीनों मंडल-छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार मंडल, संगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल एवं श्रम कल्याण मंडल के माध्यम से योजनाओं का सफल क्रियान्वयन हो रहा है। इसी का परिणाम है की 17 सितम्बर 2024 से 17 जनवरी 2025 तक 3 लाख 26 हजार श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से 430 करोड़ 03 लाख रूपए अंतरित किये जा चुके हैं।कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत मुकुल कुमार साहू, कुमारी पल्लवी वर्मा, मुकेश तिवारी को 15-15 हजार रूपए, गौरव देवांगन को तीन हजार रूपए के सहायता राशि के चेक प्रदान किया। निरूशुल्क सायकल वितरण योजना प्रियंका फ्रांसिस 3706 रूपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के अंतर्गत मंगली कोठले को एक लाख रूपए एवं मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना खिरो नायक को 20 हजार रूपए का चेक प्रदाय किया गया।

काम्पलेक्स के बाहर खड़ी बाइक पार

रायपुर,। सरोना स्थित पार्थिव प्रोविंस के पास खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दी। प्रार्थी की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी प्रवीण बंजारे 24 वर्ष शासकीय अनु-जाति छात्रावास का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एमटी 1626 को सरोना स्थित पार्थिव प्रोविंस के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार दी। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 15 हजार रुपए के आसपास बताई जा रहही है। प्रार्थी की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अलग-अलग सड़क हादसों में चार की गई जान

रायपुर, 18 जनवरी (आरएनएस)। अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोगों की जान चली गई। मामले में पुलिस ने सभी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार पहला हादसा माना बस्ती के एसीसी सीमेंट के पास हुआ है। बताया जाता है कि मृतक यादोराम साहू 60 वर्ष अपनी पुत्र नीरज साहू व विकास साहू के साथ बाइक से कहीं जा रहा था, तभी कार क्रमांक सीजी 10 एफ 8999 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दिया। जिससे यादोराम की मौत हो गई। मामले में माना पुलिस ने कार चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। वहीं दूसरे मामला मेन रोड सेमरिया में हुआ, जहां ट्रेलर क्रमांक सीजी 04 एमआर 7037 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए एक्टिवा को टक्कर मार दिया। जिससे एक्टिवा सवार अनिल यादव 30 वर्ष निवासी बलौदाबाजार की मौत हो गई। मामले में विधानसभा पुलिस ने ट्रेलर चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। इसी तरह तीसरे मामला आरंग थाना क्षेत्र के नेशनल हाइवे 53 स्थित ढिल्लन ढाबा शौचालय के पास इंडेन गैस टैंकर क्रमांक टीएन 88-5670 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए रोड क्रास कर रहे दो लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में बबन राव लाहने 75 वर्ष और घनश्याम यादव 40 वर्ष की मौत हो गई। मामले में आरंग पुलिस ने टैंकर चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

बिजली बाई रामलला का दर्शन कर खुद को समझती है धन्य

कोरबा ,एजेंसी भगवान राम के प्रति मेरी बचपन से ही आस्था थी। मैं सदैव भगवान को पूजती थी। अयोध्या में प्रभु राम के जन्मस्थान में जाकर रामलला का दर्शन मेरा सौभाग्य ही था कि मुझे इसके लिए एक रुपये भी खर्च नहीं करने पड़े। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जो व्यवस्थाएं की उसका हम कर्ज चुका नहीं सकते। यह गरीबो के लिए बहुत बड़ा उपहार है। अपने आराध्य देव का दर्शन करना हर किसी की इच्छा होती है। गरीबी और पैसे की कमी की वजह से हर कोई तीर्थ पर जा नहीं पाता। मुझे खुशी है कि मुझे अवसर मिला। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री और छत्तीसगढ़ की सरकार को धन्यवाद देती हूँ..यह कहना है वृद्धा बिजली बाई उपाध्याय का। जिन्होंने कुछ माह पहले ही रामलला दर्शन योजना का लाभ उठाया और दर्शन कर लौटने के बाद खुद को धन्य मान रही है।

कोरबा जिले के पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक में ग्राम जटगा बांधा पारा की रहने वाली बिजली बाई उपाध्याय ने बताया कि पति के मौत के बाद वह अकेले तीर्थ यात्रा पर जाने से संकोच करती है। उन्हें जब मालूम हुआ कि छत्तीसगढ़ की सरकार रामलला दर्शन योजना से वरिष्ठ नागरिकों को निरूशुल्क में अयोध्या लेकर जा रही है तो उन्होंने भी अधिकारियों से जानकारी जुटा कर अपना आवेदन जमा किया। चूंकि वह अकेली नहीं जा सकती थीं इसलिए एक सहायक के रूप में भतीजी को भी रखा। घर से पोड़ी उपरोड़ा जनपद मुख्यालय तक पहुँचने के पश्चात बस की सुविधा दी गई थी। बिलासपुर रेल्वे स्टेशन पहुचने के बाद अन्य तीर्थ यात्रियों के साथ ट्रेन में सवार होकर सभी अयोध्या के लिए रवाना हो गए। बिजली बाई ने बताया कि ट्रेन में भी खाने आदि की व्यवस्था थी। ईट्रेन में अन्य तीर्थ यात्रियों के साथ भक्तिभाव में झूमते गाते हुए हम सभी अयोध्या पहुँच गए। यहां ठहरने और खाने की निरूशुल्क व्यवस्था थी। सुबह तैयार होकर भगवान रामलला के दर्शन करने गए। भगवान राम को करीब से देखकर मन भावविह्वल हो गया। इस दौरान खुद को सौभाग्यशाली मानते हुए हमने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को भी बहुत धन्यवाद दिया। उनके द्वारा चलाये गए इस योजना से हमारी वर्षों की चाहत पूरी हो गई।

स्वच्छ भारत मिशन : स्वच्छता दीदीयां स्वच्छता के लिए लोगों को कर रही प्रेरित

स्वच्छता दीदीयां कचरा प्रबंधन से प्राप्त कर रही अतिरिक्तआय

रायपुर,एजेंसी स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से भारत को स्वच्छ और खुले में शौच से मुक्त बनाना है। यह अभियान स्वच्छता और स्वास्थ्य के महत्व पर जोर देता है। इसका उद्देश्य अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार करना और सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता को बढ़ावा देना है। स्वच्छ भारत अभियान को पूरे राष्ट्र के लिए एक जन-आंदोलन का रूप दिया गया है। लोग न तो स्वयं गंदगी करें और न ही दूसरों को करने दें, इसके लिए स्वच्छता दीदियों द्वारा प्रेरित और प्रोत्साहित किया जा रहा है।

धमतरी जिले के नगर पंचायत कुरूद की स्वच्छता दीदियां अपशिष्ट पदार्थो से आय अर्जित कर रही हैं। दीदियां एक साल से कचरा बेचकर 3 लाख 24 हजार रुपए की अतिरिक्त आमदनी प्राप्त की है। अनुबंधित कम्पनी से अनुमानित 55 हजार रूपये आना शेष है। घर-घर कचरा कलेवशन से मिले सूखा कचरा से यह फायदा उन्हें मिला है।

गौरतलब है कि नगर पंचायत कुरूद के 15 वार्डों में एक एसएलआरएम सेंटर है, जिसमें करीब 24 स्वच्छता दीदियां काम कर रहीं है। हर दिन सुबह दीदियां डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के लिए निकल पड़ती हैं। इसके बाद पुऋा, प्लास्टिक से बने सामान, टीना-लोहा से बनी सामग्रियों, शीशी-बोतल, न्यूज पेपर यानी घरों से निकलने वाले कचरा लेती हैं। इसके बाद इस कचरे को एसएलआरएम सेंटर लाया जाता है। एसआरएलएम केंद्र में सुखे कचरों की छ्टनी की जाती हैं। इस छटनी में गीले कचरे से खाद बनाने का काम किया जाता है और सूखे कचरे को तोड़कर बड़ी-बड़ी बोरियों में पैक कर रख दिया जाता है। पुऋा को बेलिंग मशीन द्वारा बेल किया जाता है। इस सूखे कचरे को हर महीने स्वच्छता दीदीयों द्वारा संबंधित अनुबंधित फर्म को बेचा जाता हैं। एक एसएलआरएम सेंटर में 30 हजार से 50 हजार रुपए तक का सूखा कचरा हर माह बेचा जाता है। यह पैसा समूह के खाते में आता है, जिसके बाद दीदियां इस राशि को आपस में बांट लेती हैं। इस प्रकार हर महीने मानदेय के अतिरिक्त एक हजार 500 से दो हजार रूप्ये अतिरिक्त लाभ दीदियां अर्जित कर रहीं हैं। लोगों के स्वास्थ्य में हो रहा सुधार

श्रीमती दुलारी बाई लहरे और श्रीमती भारती कुर्रे ने कहा कि सबसे बड़ी और सबसे सफल सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल में से एक स्वच्छ भारत अभियान पिछले 10 साल से चल रहा है। स्वच्छ भारत अभियान ने लोगों के जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। इससे न केवल गांव अपितु शहरों में भी स्वच्छता में क्रांति आने सार्वजनिक स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो रहा है। लाखों शौचालय उपलब्ध कराकर, शिशु मृत्यु दर को कम करके और महिलाओं की सुरक्षा में सुधार होने से इस अभियान ने लोगों के जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है।

स्वच्छता दीदी श्रीमती बिन्दा बघेल,श्रीमती उमा बंजारे और श्रीमती ममता बारले ने कहा कि इस अभियान ने खुले में शौच को खत्म कर, हर घर में शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराया है। ठोस और तरल अपशिष्टों का प्रबंधन, पेयजल की पर्याप्त और सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित होने, सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार, जलजनित रोगों के खतरे को कम करने एवं स्वच्छता और स्वास्थ्य से जुड़ी कार्यों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

वित्तमंत्री ओपी चौधरी के बंगले के बाहर बर्खास्त महिला शिक्षकों का प्रदर्शन, समायोजन की मांग

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां वित्तमंत्री ओपी चौधरी के बंगले के बाहर बर्खास्त सहायक महिला शिक्षक प्रदर्शन कर रही हैं। ये महिलाएं समायोजन की मांग को लेकर नारेबाजी कर रही हैं। प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल भी मौके पर मौजूद है।

बताया जा रहा है कि यह महिला शिक्षक पिछले 15 महीनों से सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत थीं, लेकिन अब इनकी बर्खास्तगी के बाद समायोजन की मांग उठ रही है। प्रदर्शनकारी महिला शिक्षकों का कहना है कि उन्हें समायोजित किया जाए और इस सिलसिले में गठित कमेटी द्वारा रिपोर्ट की तारीख की कोई जानकारी नहीं दी जा रही है। पुलिस की चेतावनी के बावजूद प्रदर्शनकारी महिलाएं हटने को तैयार नहीं हैं। पिछले दो घंटों से यह प्रदर्शन जारी है, जिससे स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

वसुधैव कुटुम्बकं का साक्षी बना महाकुंभ

;ही है सनातन परम्परा जो विश्व भर में भारत को एक अलग विशिष्ट पहचान देती है। यूं तो भारत आदिकाल से पर्वो और उत्सवों का देश रहा है, जो भारत की श्रेष्ठता और समृद्धि को प्रकट करता है। पूरे वर्ष देश भर में कई पर्व और त्योहार मनाए जाते हैं और इन्हीं त्योहारों में से एक है मकर संक्रांति का त्योहार, जो हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है।इस बार की मकर संक्रांति खास रही। इस त्योहार का विशेष महत्व होता है, क्योंकि सूरज के उत्तरायण होने पर इस पर्व को मनाया जाता है। इस दिन सुबह–सुबह स्नान का एक अलग महत्व है, यही कारण है कि देश भर की पवित्र नदियों में लोग स्नान करते हैं। ऐसी मान्यता है कि मकर संक्रांति के दिन स्नान, दान करने से सभी पाप कट जाते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है। मकर संक्रांति के दिन किसी भी नदी में लोग स्नान करते हैं, तो उसे गंगा स्नान का नाम दिया जाता है। मगर वर्तमान में कुंभ और गंगासागर में शाही स्नान चल रहा है और इन दोनों ही जगहों पर करोड़ों की संख्या में लोगों ने आस्था की डुबकी लगायी है। महाकुंभ और गंगासागर आस्था, संस्कृति और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र रहे हैं। यही कारण है कि इन पवित्र स्थलों पर श्रद्धालुओं का भारी हुजूम उमड़ता है। आस्था का सैलाब किस तरह से उमड़ता है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि महाकुंभ के पहले अमृत स्नान पर्व पर 14 जनवरी को 3.50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई है। फेसबुक के कोफाउंडर स्टीव जाब्स की पत्नी पामेला समेत दस देशों के सैकड़ों विदेशी जिज्ञासु भी इस मौके पर प्रयागराज संगम के तट पर पहुंचे।

संगम में साधु–संत और अखाड़ों के साथ–साथ श्रद्धालुओं ने अमृत स्नान किया। गंगा नदी और बंगाल की खाड़ी का संगम, जिसे गंगासागर के नाम से जाना जाता है, यहां पर भी लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान किया। अगर बात महाकुंभ की करें तो यह सदियों से ही करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र रहा है। भारतीय समाज की जीवन पद्धति में वैदिक काल से ही कुंभ जैसे महापर्वो के आयोजन की विशेष परम्परा रही है। भारत को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में बांधने के लिए जिस प्रकार वैदिक जीवन पद्धति के महान प्रचारक आदि गुरु शंकाराचार्य ने भारत के चारों कोनों में चार धामों की स्थापना की, उसी प्रकार राष्ट्रीय एकता के प्रतीक के रूप में देश के चार प्रमुख कुंभ महापर्व के आयोजन के स्थल है। वैदिक संस्कृति में जहां व्यक्तिगत साधना से जीवन पद्धति को परिष्कृत करने पर जोर दिया जाता था, वहीं दूसरी ओर तीर्थ स्थलों और महापर्वों को राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रीय चरित्र को परिष्कृत करने का माध्यम माना गया है। महाकुंभ केवल धार्मिक आयोजन मात्र नहीं है अपितु आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व को फलीभूत करने वाला आस्था का पर्व है। यहां आकर मनुष्य एक ओर आत्मशुद्धि व आत्मकल्याण का भाव रखता है, वहीं दूसरी ओर सम्पूर्ण राष्ट्र मेरा परिवार है, यह भाव रखकर राष्ट्रीय एकता को मजबूत करता है।

हजारों वर्षों से चली आ रही कुंभ परम्परा भारत की प्राचीन राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक धारा का परिचय कराती है। कुंभ मेले में सभी पंथ सम्प्रदायों के देश–विदेश के साधु सन्त आकर सामाजिक समस्याओं पर विचार–विमर्श करते हैं। यहां शैव, वैष्णव, शाक्त, सिख, जैन, बौद्ध सभी पंथ सम्प्रदाय के भारतीय सम्मिलित होते हैं। सभी मिलकर पूरी परम्परा में क्या–क्या परिवर्तन करना चाहिए, कौन सी परम्परा राष्ट्र और समाज के लिए हानिकारक है, भारतीय समाज को क्या संदेश देना है, इन सभी विषयों पर गहन विचार–विमर्श कुंभ में किया जाता है। कुंभ में स्नान करने वाला कौन जाति का, कहां का निवासी है इसका विचार किये बिना सम्पूर्ण समाज के लोग यहां आते हैं।

आपको बता दें कि महाकुंभ सिर्फ एक मेला नहीं है, बल्कि यह आस्था, परंपरा और हिंदू संस्कृति का संगम है। श्रद्धालुओं के लिए यह एक पवित्र एहसास है, जिसका इंतजार सभी श्रद्धालुओं को बेसब्री से रहता है। इस साल का महाकुंभ का मेला कई मायनों में बेहद खास है। इस बार 144 साल बाद पूर्ण महाकुंभ लगा है। सरल शब्दों में समझें तो 12 साल बाद लगातार 12 वर्षों तक लगने के बाद पूर्ण महाकुंभ लगता है, जो 144 साल बाद आता है। महाकुंभ का आयोजन इस बार प्रयागराज में हो रहा है। कुछ ग्रंथों में उल्लेख है कि सतयुग से ही इस मेले का आयोजन किया जा रहा है। कुछ ग्रंथों में बताया गया है कि कुंभ मेला का आयोजन 850 साल से भी ज्यादा पुराना है। आदि शंकराचार्य द्वारा महाकुंभ की शुरुआत की गई थी। कुछ कथाओं में बताया गया है कि कुंभ का आयोजन समुद्र मंथन के बाद से ही किया जा रहा है जबकि कुछ विद्वानों का कहना है कि गुप्त काल के दौरान से ही इसकी शुरुआत हुई थी। लेकिन सम्राट हर्षवर्धन से इसके प्रमाण देखने को मिलते हैं। इसी के बाद शंकराचार्य और उनके शिष्यों द्वारा संन्यासी अखाड़ों के लिए संगम तट पर शाही स्नान की व्यवस्था की गई थी। अगर देखा जाए तो यह राष्ट्रीय एकता का अनुपम संगम है। यही वास्तव में भारत की सनातनी शक्ति है, जिसमें ऊंच–नीच, पंथ–सम्प्रदाय उत्तर–दक्षिण आदि के भेद का कोई स्थान नहीं है। वसुधैव कुटुम्बकम् के साक्षात् दर्शन का अद्भुत आयोजन है कुंभ महापर्व। भारत के चार कुंभ स्थल धर्म व्यवस्था द्वारा स्थापित चार सार्वजनिक मंच है, जो सम्पूर्ण समाज को एक सूत्र में बांधते हैं। व्यक्तिगत निमंत्रण के बिना लाखों लोगों का आस्था के इस पर्व में एकत्रित होना निश्चित ही अद्भुत परम्परा है। अनुमान है कि इस बार 40 से 45 करोड़ लोग डेढ़ माह तक चलने वाले महाकुंभ में भ में जुटेंगे। महाकुंभ के सुचारू संचालन के लिये चप्पे– चप्पे पर सुरक्षा व्यवस्था की गयी है। सुरक्षा बलों का जमावड़ा लगा हुआ है, वज्रवाहन, ड्रोन, बम निरोधक दस्तों के साथ ही एनएसजी के सदस्य मौजूद हैं। सुरक्षा के लिये एंटी ड्रोन तकनीक का भी उपयोग हो रहा। मगर तमाम सुरक्षा व्यवस्था और आधुनिक तकनीकी के इस्तेमाल का लाभ तभी है, जब किसी गंभीर समस्या के सामने आने पर उसका ठीक समय पर हल निकले। आम श्रद्धालु वहां संगम में डुबकी लगाने आते हैं और उनके साथ मेले को देखने से लेकर धर्म और आस्था से जुड़ी तमाम तरह की उम्मीदें होती हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि करोड़ों लोगों के जमावड़े से उत्पन स्थिति का प्रबंधन और कामयाबी से उसे संभाल ले जाना एक बहुत बड़ी जिम्मेवारी है, मगर इस वर्ष कुंभ में हर मोर्चे पर जैसे इंतजाम किए गए हैं, उसमें उम्मीद की जा सकती है कि आस्था की डुबकी श्रद्धालुओं के लिए एक सुखद अनुभव साबित होगी।

प्रयागराज के मौजूदा महाकुंभ में सरकारी बंदोबस्त ने पिछले सभी रिकार्ड तोड़ कर ने मानदंड स्थापित करने की कोशिश की है यह योगी बाबा की मेहनत कुशल नेतृत्व और पीएम मोदी के निर्देशन का साझा परिणाम है। ¼fgQh½

सम्पादकीय

राहुल का ऐलान, भाजपा परेशान

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के एक बयान से भाजपा को उन पर और उनके बहाने कांग्रेस पर और कांग्रेस के बहाने देश की उदार, लोकतांत्रिक विरासत पर हमला करने का नया अवसर मिला। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया, राहुल गांधी का संबंध नक्सलियों से जोड़ा और साथ ही कांग्रेस की विचारधारा को घिनौनी तक बता दिया। गौरतलब है कि बुधवार को नयी दिल्ली में 9 ए कोटला मार्ग पर कांग्रेस के नए मुख्यालय का उद्घाटन हुआ। अब तक कांग्रेस का मुख्यालय 24 अकबर रोड पर था। 15 साल पहले 2009 में कांग्रेस ने इस नए भवन की आधारशिला रखी थी और 15 जनवरी 2025 में इसका उद्घाटन हुआ। कांग्रेस एक भवन से निकल कर दूसरे भवन में अपने कार्यालय को लेकर गई, लेकिन यह केवल कार्यालय का स्थानांतरण नहीं था, बल्कि कांग्रेस के तौर–तरीकों में स्थानांतरण का संकेत इस उद्घाटन के मौके पर दिया गया। राहुल गांधी का भाषण इसी का प्रमाण था।

राहुल गांधी अपने राजनैतिक जीवन की शुरुआत से भाजपा, संघ और संविधान विरोधी तमाम शक्तियों के खिलाफ संघर्ष का ऐलान करते आए हैं। जब यूपीए सत्ता में थी, तब भी और जब एनडीए सत्ता में आई, तब भी राहुल गांधी ने हमेशा देश में हाशिए पर खड़े लोगों के हक में आवाज बुलंद की। जब मोदी शासन में लोकतंत्र और संविधान को धता बताते हुए सांगठनिक तरीके से अल्पसंख्यकों, दलितों, किसानों, मजदूरों, स्त्रियों पर हमले शुरु हुए और नफरत का माहौल बढ़ने लगा, तो राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा निकाली और पैदल ही कन्याकुमारी से कश्मीर तक का सफर तय किया। जब उन्हें लगा कि एक यात्रा काफी नहीं है और न्याय की लड़ाई लंबी है, तो दूसरी भारत जोड़ो यात्रा निकाली, इसमें न्याय का परचम लेकर राहुल निकले और इस बार मणिपुर से मुंबई तक का सफर तय किया, कुछ पैदल कुछ वाहन में। इन दोनों यात्राओं के बीच में और अब भी राहुल उन लोगों के बीच कभी भी पहुंच जाते हैं, जिनसे हिंदुस्तान बनता है। इन लोगों में कभी किसान होते हैं, कभी पहलवान, कभी मोची, तो कभी गिग वर्कर्स। ऐसा नहीं है कि जिन लोगों से राहुल मिलते हैं, उनकी बातें सुनते हैं, उनके साथ खाना खाते या चाय पीते घर–परिवार, व्यापार, पढ़ाई की बातें करते हैं, वे सब कांग्रेस के मतदाता होते हैं। अगर ऐसा होता तो कांग्रेस को इतनी बार, इतने राज्यों में हार का सामना नहीं करना पड़ता। लेकिन फिर भी राहुल आम भारतीयों से मिलते हैं, ताकि भारत के बारे में उनकी समझ और मजबूत हो और इसके साथ ही वे यह टटोल सकें कि क्या वाकई भारत ऐसा है, जिसमें घर में रखे गौ मांस के शक में किसी को पीट–पीट कर मार दिया जाता है, जहां जबरन जय श्री राम के नारे लगवाकर आतंकित करने की कोशिश होती है, जहां दलितों, अल्पसंख्यकों और आदिवासियों का उत्पीड़न जाति और धर्म के आधार पर होता है। दो–दो यात्राओं और लगातार लोगों से मिल कर राहुल ने यह पाया कि आम हिंदुस्तानी नफरत नहीं प्यार से ही रहना चाहता है। उसकी चिंताएं अच्छे रोजगार, शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की है। आजाद भारत का नागरिक हर हाल में अपनी आजादी और उस संविधान को बचाकर रखना चाहता है, जिसके कारण उसे बराबरी का हक मिला, अपनी मर्जी की सरकार चुनने की आजादी मिली। लोकसभा चुनावों में जब इसी संविधान को खत्म करने की बात भाजपा प्रत्याशियों ने की तो कांग्रेस ने, इंडिया गठबंधन ने इस बात को जनता तक पहुंचाया और नतीजा ये हुआ कि लोकसभा में भाजपा की सीटें कम हो गईं, उसे पूर्ण बहुमत नहीं मिला। इसका मतलब यह कि राहुल गांधी जब नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान लगाने की बात करते हैं तो लोग उसे सुन रहे हैं, समझ रहे हैं। लेकिन संघ प्रमुख मोहन भागवत के विचार आजादी और संविधान को लेकर अलग ही हैं। मोहन भागवत ने कहा है कि जिस दिन राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई, उसी दिन भारत को सच्ची आजादी मिली। उन्होंने संविधान को लेकर भी कहा कि 15 अगस्त, 1947 को भारत को अंग्रेजों से राजनीतिक आजादी मिलने के बाद, देश से निकले उस खास नजरिये के दिखाए रास्ते के अनुसार एक लिखित संविधान बनाया गया, लेकिन दस्तावेज के अनुसार नहीं चलाया गया। इस भाषण के बाद राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि श्मोहन भागवत ने देश को यह बताने की जुर्रत की है कि वो स्वतंत्रता आंदोलन और संविधान के बारे में क्या सोचते हैं। वास्तव में, उन्होंने जो कहा वह देशद्रोह है क्योंकि उन्होंने कहा कि हमारा संविधान अमान्य है... कोई और देश होता तो अब तक उन्हें गिरफ्तार करके उन पर मुकदमा चला रहा होता। यह कहना कि भारत को 1947 में आजादी नहीं मिली, हर भारतीय का अपमान है। और हमें इसे सुनना बंद करना होगा। राहुल गांधी ने जो कहा वो बयान कायदे से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से पहले ही आ जाना चाहिए था, कि जो देश की आजादी या संविधान के खिलाफ बोलेगा उसे कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। लेकिन न प्रधानमंत्री, न कानून मंत्री ने इस बारे में कोई टिप्पणी की। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा का बयान आया, मगर उसमें मोहन भागवत के बयान का कोई जिक्र नहीं था और राहुल गांधी पर देश विरोधी ताकत के साथ खड़े रहने का आरोप लगाया गया। क्योंकि राहुल गांधी ने कहा कि हम केवल भाजपा या संघ से नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था के खिलाफ लड़ रहे हैं। अपने भाषण में राहुल ने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए कि उसे पारदर्शी क्यों नहीं होना चाहिए। इस भाषण ने सीधे–सीधे भाजपा के मर्म पर चोट की और तिलमिलाए जे पी नड्डा ने अब कहा है कि कांग्रेस का इतिहास उन सभी ताकतों को उत्साहित करने का रहा है जो कमजोर भारत चाहते हैं। सत्ता के लिए उनके लालच का मतलब देश की अखंडता से समझौता और लोगों के विश्वास को धोखा देना था। लेकिन भारत के लोग समझदार हैं।उन्होंने फैसला कर लिया है कि वह राहुल गांधी और उनकी सड़ी हुई विचारधारा को हमेशा ठुकराएंगे। अब कांग्रेस की घिनौनी सच्चाई किसी से छिपी नहीं है, अब उनके अपने नेता ने ही इसका पर्दाफाश कर दिया है। यह कोई रहस्य नहीं है कि गांधी और उनके तंत्र का शहरी नक्सलियों के साथ गहरा संबंध है, जो भारत को अपमानित और बदनाम करना चाहते हैं। उन्होंने जो कुछ भी किया या कहा है वह भारत को तोड़ने और हमारे समाज को विभाजित करने की दिशा में है।

न सुशासन, न रोजगार, सिर्फ फ्रीबीज की बौछार

कमलेश पांडे ।

याद दिला दें कि एक जमाने में जो राजनीतिक दल शिक्षा और स्वास्थ्य के बजट में कटौती दर कटौती करते चले गए कि राजकोषीय घाटा को पाटना है! और अब उन्हीं के द्वारा जब फ्रीबीज की वकालत हो रही है तो इस सियासी तिकड़म को समझना भी दिलचस्प है।

राजनीतिक दलों के द्वारा चुनावों के समय मतदाताओं के लिए एक से बढ़कर एक श्फ्रीबीजश की जो बौछारें हो रही हैं, वह वोटर्स को शरिश्वतश नहीं तो और क्या है, इसे समझना जरूरी है! वहीं, जिन राजनीतिक दलों ने अपने चुनावी वायदों के अनुपालन में कोताही बरती, उनके खिलाफ क्या कार्रवाई होनी चाहिए, यह भी स्पष्ट नहीं है! इसलिए वायदे करो और फिर मुकर जाओ या फिर आधे–अधूरे पूरे करो, कोई पूछने वाला नहीं है! तभी तो राजनीतिक दलों की बल्ले–बल्ले है। चूंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 का शोर मचा हुआ है, इसलिए इस फ्रीबीज की चर्चा पुनः आवश्यक है, ताकि मतदाता जागरूक हो सकें।

कहने को तो दिल्ली को छोटा हिन्दुस्तान और दिल वालों का शहर कहा जाता है, लेकिन पिछले 10–12 वर्षों में यहां जितनी राजनीतिक दिलग्गी हुई, वह बात किसी से छुपी हुई नहीं है। चाहे केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी और एनडीए हो या फिर राज्य में सत्तारूढ़ आप और इंडिया गठबंधन, जिससे कभी आप जुड़ती है तो कभी श्तलाकश ले लेती है! और देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस जो अपने नेतृत्व वाले गठबंधन या फिर अपने द्वारा समर्थित गठबंधन का अपनी सुविधा के अनुसार श्गला मरोड़नेश में माहिर समझी जाती है, ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में राजनीतिक किंतु–परन्तु की सारी हदें पार कर चुकी हैं।चूंकि इन राजनीतिक दलों ने खुद के लिए कोई आदर्श राजनीतिक नियम और उसके निमित्त बाध्यकारी कानून नहीं बनाकर रखे हैं, या फिर नाममात्र का बनाए हुए हैं, जिसकी व्याख्या ये लोग अपने मनमुताबिक कर लेते हैं, इसलिए इनकी सारी राजनीतिक हरकतें जायज समझी जाती हैं। वहीं, इनको तोहफा या सजा बस जीत–हार के माध्यम से जनता जनार्दन ही देती आई है। यहां भी वह मतदाता दलित–महादलित, पिछड़ा–अत्यंत पिछड़ा, सवर्ण–गरीब सवर्ण, आदिवासी–अल्पसंख्यक, महिला–पुरूष, युवा–बुजुर्ग, किसान–मजदूर, कामगार या पूंजीपति आदि इतने खानों में विभाजित है कि उनकी फूट डालो और शासन करो की नीति अक्सर सफल होती आई है। इसे भी पढ़ेंरू आम आदमी पार्टी तो अपना रिपोर्ट कार्ड पेश नहीं करेगी, सोचा हम ही आपको उनके काम बता दें

शायद इसलिए जनता, सरकार और सुशासन के मुद्दे गौण पड़ जाते हैं और फ्रीबीज की चर्चा घर–घर पहुंचकर चुनावी खेल कर देती है। ऐसे में सुलगता हुआ सवाल है कि सुशासन से लेकर रोजगार के मोर्चे पर विफल हो चुकीं जनतांत्रिक सरकारों के द्वारा जिस तरह से फ्रीबीज की घोषणाएं की जा रही हैं, क्या यह देश की आर्थिक व्यवस्था यानी अर्थव्यवस्था के लिहाज से उचित है या फिर अनुचित है? यदि अनुचित है तो इससे बचने का रास्ता क्या है?

देखा जाए तो कबीलाई युग से लोकतांत्रिक सरकार तक मनुष्य की पहली जरूरत शांति और सुरक्षा है, ताकि वह मेहनत करते हुए अपना जीवन निर्वाह कर सके और इस देश–दुनिया को बेहतर बनाने में अपने हिस्से का योगदान दे सके। हालांकि, ऐसे सुशासन की गारंटी न तो तब मिली थी और न अब मिली हुई है। शासक–प्रशासक बेहतर हो तो क्षणिक सुख–शांति संभव है, अन्यथा जलालत ही मानवीय सच है।याद दिला दें कि एक जमाने में जो राजनीतिक दल शिक्षा और स्वास्थ्य के बजट में कटौती दर कटौती करते चले गए कि राजकोषीय घाटा को पाटना है! और अब उन्हीं के द्वारा जब फ्रीबीज की वकालत हो रही है तो इस सियासी तिकड़म को समझना भी दिलचस्प है। चाहे संसदीय चुनाव हो या विधान मंडलीय चुनाव, या फिर स्थानीय चुनाव, होने तो 5 साल में ही हैं। इसलिए जैसे तैसे चुनावी वायदे करके सरकार बना लो, इसी घुड़दौड़ में सभी राजनीतिक दल जूटे हुए हैं।अब लोगों की दिलचस्पी न तो आजादी के तराने सुनने में है, न ही हिंदुत्व की माला जपने में। समाजवाद से लेकर वामपंथ तक अपने ही राजनीतिक हमाम में नंगे हो चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस विरोधी श्सम्पूर्ण क्रांतिश की सफलता–विफलता के लगभग चार दशक बाद हुई दूसरी कांग्रेस विरोधी श्अन्ना हजारे क्रांतिश की सफलता से उपजी आम आदमी पार्टी ने जो फ्रीबीज की सियासी लत लगाई और दिल्ली से पंजाब तक कांग्रेस–भाजपा का सफाया कर दी, उससे दोनों पार्टियों ने शुरुआती आलोचनाओं के बाद आप के सियासी एजेंडे को ही अपनाने में सफलता पाई। हिमाचल प्रदेश से कर्नाटक तक कांग्रेस की विजय और हरियाणा से उड़ीसा तक भाजपा की जीत इसी बात की साक्षी है। यही वजह है कि भाजपा नीत एनडीए, आप नीत संभावित तीसरा मोर्चा और कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन ने दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में एक–दूसरे को मात देने के लिए अपने–अपने फ्रीबीज के सियासी घोड़े खोल रखे हैं। वह भी तब, जब करदाताओं की ओर से इसकी खुलेआम आलोचना हो रही है। वहीं, आपने देखा–सुना होगा कि केंद्र सरकार की अटपटी नीतियों पर सर्वोच्च न्यायालय तक ने टिप्पणी की, कि आखिर 80 करोड़ लोगों को आप कबतक मुफ्त या फिर कम कीमत पर अनाज देंगे। ऐसे में उन्हें आप रोजगार क्यों नहीं दे देते! कोर्ट की यह टिप्पणी जायज है और प्रशासन यदि चाहे तो उसके लिए यह मुश्किल भी नहीं है।वहीं, आम आदमी पार्टी ने अनुमन्य यूनिट तक फ्री बिजली, फ्री पानी, फ्री और किफायती शिक्षा व स्वास्थ्य, महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा, लक्षित वर्गों को अलग–अलग नगद आर्थिक मदद आदि जैसी जो चुनावी–प्रशासनिक रवायतें शुरू की है, और अब उन्हीं की देखा–देखी कांग्रेस और भाजपा जैसी राष्ट्रीय पार्टियों में भी इस नीतिगत मुद्दे पर आपाधापी मची हुई है, यह नीति एक नए आर्थिक और अर्थव्यवस्था के संकट को जन्म दे सकती है। इसलिए इसको हतोत्साहित करने के लिए मतदाताओं को ही आगे आना होगा, अन्यथा यह नीति भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए आर्थिक कैंसर साबित होंगे। डॉलर के मुकाबले गिरते रुपये भी तो इसी बात की चुगली करते हैं।आपने देखा–सुना होगा कि सरकार ने उद्योगपतियों के इतने के कर्जे माफ कर दिए, या फिर इतनी की सब्सिडी इन–इन धंधोंध्पेशों में दी जा रहीं हैं। इसी तरह से सरकार ने किसानों के इतने के कर्जे माफ कर दिए और इन–इन चीजों पर इतनी सब्सिडी दे रही है। इसी तरह से समाज के विभिन्न वर्गों को भी लुभाने के लिए सरकार कुछ न कुछ देकर दानी–दाता बनी हुई है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि सरकार सबको सुशासन क्यों नहीं दे रही है? सड़कों पर इंसान सुरक्षित क्यों नहीं है? चाहे खेती हो या कारोबार, चोरी और लूट की बढ़ती फितरत से उद्यमी व मेहनतकश वर्ग परेशान है। वहीं, डिजिटल धोखाधड़ी और प्रशासनिक तिकड़मों का तो कहना ही क्या है? बेहतर पुलिसिंग आज भी यक्ष प्रश्न है।

वहीं, राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधनों पर सरकार और उसके पूंजीपति मित्रों का बढ़ता कब्जा, भूमि और मौद्रिक संसाधनों के असमान बंटवारे की नीति, समान मताधिकार से इतर विभिन्न कानूनी असमानताएं समाज और व्यवस्था को निरंतर खोखला करती जा रही हैं। इससे पूंजीपतियों की जमात, उनके शागिर्द, प्रशासनिक हुक्मरान और उसकी पूरी चेन, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की फौज और उनके करीबी लोग तो हर तरीके से मस्त हैं, लेकिन आमलोगों की फटेहाली पर तरस खाना स्वभाविक है। जिनके पास कुछ पूंजी–पगहा, मकान–दुकान या खेती योग्य जमीन या फिर छोटी–मोटी निजी या सरकारी नौकरी है, वह तो किसी तरह गुजर–बसर कर लेते हैं, लेकिन जो न शिक्षित हैं, न संसाधनों से लैस, उनकी बेचारगी देखते ही बनती है।ऐसे में सबको समान शिक्षा और योग्यता के मुताबिक रोजगार देने की सरकारी नीति आखिर कब आकार लेगी, ज्वलंत प्रश्न है। वहीं, न तो सबके लिए जनस्वास्थ्य सुनिश्चित है और न ही सुविधाजनक परिवहन। गरीबी हटाओ और रोटी–कपड़ा–मकान का नारा भी टांय–टांय फिस्स हो चुका है। सबको शिक्षा–स्वास्थ्य–सम्मान की सामाजिक न्याय वाली बात भी पूंजीपतियों के एजेंडे की दासी बन चुकी है।

यह सब इसलिए कि भले ही सरकार अपने नागरिकों के लिए विभिन्न राष्ट्रीय समानताओं की बात करती है, लेकिन असमान कानूनों को गढ़कर वह ही सबसे ज्यादा सामाजिक विभेद भी पैदा कर रही है।सवाल है कि उसका लोकतंत्र आखिर पूंजीपतियों का संरक्षक क्यों बना बैठा है। क्या फ्रीबीज का लॉलीपॉप थमाकर पूंजीपति सभी राष्ट्रीय संसाधनों पर काबिज हो जाएंगे, फिर उसके बाद लोगों को बाबाजी का ठुल्लू थमा देंगे, यही उनकी योजना है। यदि यही न्यू वर्ल्ड आर्डर है या फिर ग्लोबल पैटर्न तो फिर समाज के प्रबुद्ध वर्ग को सावधान हो जाना चाहिए। क्योंकि दलितों और पिछड़ों के लोकलुभावन वोटिंग पैटर्न के चक्कर में सबसे ज्यादा समाज का माध्यम वर्ग ही पिसेगा, यही नई त्रासदी है।

खाद्य कीमतों में वृद्धि से हाशिए पर पड़े लोगों के लिए पोषण का संकट

संजय रॉय

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने हाल ही में घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2023–24 की तथ्य–पत्रिका जारी की है। यह वार्षिक श्रृंखला की दूसरी सर्वेक्षण रिपोर्ट है जो 2011–12 में सरकार द्वारा जारी किये गये 68वें दौर के उपभोग व्यय सर्वेक्षण के बाद लंबे अंतराल के बाद 2022–23 में शुरू हुई है। सरकार इस बार यह रिपोर्ट जारी करने में सहज प्रतीत होती है क्योंकि ग्रामीण भारत में मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई) 2022–23 में 3,773 रुपये से बढ़कर 2023–24 में 4,122 रुपये और शहरी भारत में 6,459 रुपये से बढ़कर क्रमशरू 6,996 रुपये हो गया है। इसका अर्थ है कि ग्रामीण और शहरी भारत में उपभोग व्यय में क्रमशरू 9.25 और 8.31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सामान्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में 6 प्रतिशत की मुद्रास्फीति दर और 9 प्रतिशत से अधिक खाद्य मुद्रास्फीति दर है। इस महंगाई के समायोजन के बाद घरेलू उपभोग व्यय में नाममात्र की वृद्धि वास्तव में जीवन दशा सुधारने में कोई खास अर्थ नहीं रखती। हालांकि सरकार यह भी दावा करती है कि कुल उपभोग व्यय के गिनी गुणांक द्वारा मापी गयी असमानता ग्रामीण भारत के लिए 2022–23 में 0.226 से गिरकर 2023–24 में 0.237 हो गयी है। यह स्पष्ट रूप से इस तथ्य का खंडन करता है कि भारत के मामले में आय में असमानता तेजी से बढ़ रही है, जबकि उपभोग व्यय के मामले में असमानता मामूली रूप से कम हुई है। एनएसओ उपभोग व्यय वितरण को 12 भिन्न वर्गों में विभाजित करता है। सबसे निचला वर्ग उपभोग वितरण के सबसे गरीब 5 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है और सबसे ऊपरी वर्ग भारतीय उपभोक्ताओं के सबसे अमीर 5 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। वितरण को दो शीर्ष और निचले वर्गों के लिए 5 प्रतिशत की सीमा के साथ विभाजित किया गया है और बाकी को बीच के आठ भिन्न वर्गों के लिए 10 प्रतिशत की सीमा के साथ विभाजित किया गया है। 2023–24 में शीर्ष 5 प्रतिशत में औसत उपभोक्ता एक गरीब व्यक्ति द्वारा औसतन उपभोग किए जाने वाले उपभोग से छह गुना अधिक उपभोग करता है। यह स्पष्ट रूप से आय और धन में असमानता की तुलना में मामूली लगता है क्योंकि जैसे–जैसे आय बढ़ती है, किसी व्यक्ति की कुल आय में उपभोग व्यय का हिस्सा घटता जाता है। जैसे–जैसे लोग अमीर होते जाते हैं, आय या संपत्ति में वृद्धि की तुलना में उपभोग व्यय धीमी गति से बढ़ता है। दूसरी ओर, बढ़ी हुई आय का बड़ा हिस्सा गरीब लोगों द्वारा उपभोग में खर्च किया जाता है और उपभोग के मामले में असमानता आय या संपत्ति में असमानता की तुलना में बहुत कम होने की उम्मीद है। पिछले दशकों में उपभोग व्यय में एक महत्वपूर्ण प्रवृत्ति यह देखी गयी है कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में औसत एमपीसीई में खाद्य की हिस्सेदारी में गिरावट आई है। औसतन उपभोग व्यय में खाद्य की हिस्सेदारी ग्रामीण भारत में 2011–12 में 52.9 से घटकर 2023–24 में 47.04 प्रतिशत और शहरी भारत में 42.62 से घटकर 39.68 प्रतिशत हो गयी है।एक तर्क यह हो सकता है कि प्रति व्यक्ति आय बढ़ने के साथ कुल उपभोग व्यय में खाद्य की हिस्सेदारी घटती है और खाद्य समूह के भीतर अनाज की हिस्सेदारी घटती है। जैसे–जैसे आय बढ़ती है, लोग अपनी आय का बढ़ता हिस्सा गैर–खाद्य पर खर्च करते हैं और खाद्य के भीतर तेल, सब्जियां, अंडा, मछली, मांस और फलों पर अधिक खर्च करते हैं जबकि कुल खाद्य व्यय के अनुपात में अनाज की खपत घटती है। यह आहार परिवर्तन श्रम प्रक्रिया में परिवर्तन के कारण भी होता है, क्योंकि शहरी और ग्रामीण दोनों उत्पादन गतिविधियों में, मशीनीकरण बढ़ने के साथ पहले की तुलना में कम शारीरिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। भोजन व्यय के हिस्से के रूप में खाद्य का हिस्सा कम हो सकता है, भले ही खाद्य की वास्तविक खपत निरपेक्ष रूप से बढ़ गयी हो, लेकिन गैर–खाद्य पर व्यय बहुत तेजी से बढ़ सकता है। सबसे गरीब वर्ग के लिए, कुल उपभोग व्यय में खाद्य पर व्यय का हिस्सा 60 प्रतिशत से अधिक है, जबकि सबसे अमीर वर्ग के मामले में, यह केवल 20 प्रतिशत के करीब है। दूसरे शब्दों में, अमीर वर्गों के मामले में खाद्य और गैर–खाद्य पर व्यय के बीच का अंतर तेजी से बढ़ता है। हाल ही में जारी की गयी रिपोर्ट में जो बात दिलचस्प लगती है, वह इस लंबी अवधि की प्रवृत्ति का उलट है, यानी कुल उपभोग व्यय में खाद्य का हिस्सा पिछले साल की तुलना में औसतन बढ़ा है। ग्रामीण उपभोक्ताओं के मामले में यह 46.38 से 47.04 प्रतिशत और शहरी उपभोक्ताओं के मामले में 39.17 से 39.68 प्रतिशत तक मामूली रूप से बढ़ा है। इसका मतलब यह नहीं है कि लोग पिछले साल की तुलना में औसतन ज्यादा खाना खा रहे हैं, बल्कि ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि साल के ज्यादातर समय में खाद्य पदार्थों की महंगाई दर अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की महंगाई दर से ज्यादा रही है। उस स्थिति में जब खाद्य पदार्थों की कीमतें अन्य वस्तुओं की तुलना में ज्यादा अनुपात में बढ़ती हैं और चूंकि लोग खाने की खपत में शायद ही कटौती करते हैं, इसलिए कुल खपत व्यय में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी में वृद्धि दर्ज की जाती है। पिछले कुछ सालों में उपभोग व्यय सर्वेक्षणों ने गैर–खाद्य वस्तुओं की खपत के वितरण में कुछ महत्वपूर्ण रुझानों को भी रेखांकित किया है। पिछले दशकों में शिक्षा और चिकित्सा सेवाओं पर व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह दो प्रक्रियाओं का संयुक्त प्रभाव हो सकता है। एक है स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा की आवश्यकता के बारे में बढ़ती जागरूकता, और दूसरा कारक निश्चित रूप से स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा दोनों का बढ़ता व्यवसायीकरण है, जो पहले सार्वजनिक प्रावधान के माध्यम से गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए काफी हद तक सुलभ था। पिछले दशक में दवा पर खर्च आसमान छू गया है और ईएमआई पर आधारित खपत कई गुना बढ़ गयी है। खपत के बढ़ते वित्तीयकरण ने सभी वर्गों के व्यय पैटर्न को प्रभावित किया है। ईंधन की कीमतों में वृद्धि भी विभिन्न वर्गों के उपभोग व्यय को प्रभावित करती है। पिछले दशकों में खाना पकाने के ईंधन पर खर्च में काफी वृद्धि हुई है। साथ ही, अध्ययनों से पता चलता है कि ग्रामीण और शहरी दोनों परिवारों द्वारा अपने बच्चों के लिए ट्यूशन फीस पर बहुत अधिक खर्च किया गया है और यह घटना गरीब वर्गों के लिए अपेक्षित रूप से अधिक है। पिछले दशक में औसतन गैर–खाद्य व्यय में सबसे महत्वपूर्ण वृद्धि संचार पर हुई है। सेल फोन का उपयोग सभी वर्गों में बढ़ गया है और कई मामलों में यह कई निजी और सार्वजनिक लेनदेन के लिए लगभग अपरिहार्य हो गया है। डिजिटलीकरण में वृद्धि ने सेल फोन के उपयोग को लगभग गैर–विवेकाधीन बना दिया है। इंटरनेट का उपयोग भी बढ़ रहा है, लेकिन अमीर और गरीब के बीच व्यय का अंतर अभी भी अधिक है। उपभोग व्यय के इन बदलते परिदृश्यों में जो महत्वपूर्ण है वह है विभिन्न वर्गों में विवेकाधीन और गैर–विवेकाधीन उपभोग व्यय के बीच की सीमा को फिर से परिभाषित करना। जो व्यय विवेकाधीन हैं, वे कुछ हद तक जरूरत पड़ने पर टाले जा सकते हैं, जैसे मनोरंजन या बाहर खाने पर और जो अपरिहार्य हैं, जैसे भोजन, चिकित्सा देखभाल, आवास के लिए किराया या ईएमआई आदि पर व्यय।

एसए 20:किंग्समीड में जीत की राह पर लौटे सनराइजर्स ईस्टर्न केप

डरबन, 18 जनवरी । सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने किंग्समीड में डरबन सुपर जायंट्स पर 58 रन की जीत

के टूर्नामेंट में वापसी की है। पिछली बार की चौंपियन तीन हार के बाद अपने एसए 20 के तीसरे सीजन में जीत के लिए बेताब थे।एडेन मार्क्रम की टीम ने अपने कप्तान की अपील पर बल्ले से बेहतर प्रदर्शन किया। टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।इंग्लैंड के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी जैक क्रॉली ने 29 गेंदों में 34 रन बनाकर शुरुआती गति प्रदान की, इससे पहले साथी इंग्लिश खिलाड़ी टॉम एबेल ने 39 गेंदों में 57 रन बनाकर मध्यक्रम में रनों की गति बनाए रखी।मार्को जेनसन ने पिछले मैच में अर्धशतक बनाया था, उन्होंने फिर से 26 गेंदों में नाबाद 36 रन बनाकर मैच के अंत में शानदार प्रदर्शन किया। इस लंबे कद के ऑलराउंडर ने ट्रिस्टन स्टब्स (आठ गेंदों में नाबाद 15) के साथ 13 गेंदों में 24 रन की अटूट साझेदारी की और सनराइजर्स को 165ध्5 तक पहुंचाया।मिस्ट्री स्पिनर नूर अहमद 4–24 के आंकड़े के साथ सुपर जायंट्स के सबसे सफल गेंदबाज रहे। सुपर जायंट्स की शुरुआत ओपनर ब्रायस पार्सन्स और मैथ्यू ब्रीट्जके ने पहले विकेट के लिए 40 रन जोड़कर पॉजिटिव अंदाज में की। हालांकि बाद में पार्सन्स 21 गेंदों पर 23 रन बनाकर रन आउट हो गए।सुपर जायंट्स इसके बाद कभी उबर नहीं पाए, बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन ने किंग्समीड में स्पिन के अनुकूल परिस्थितियों का फायदा उठाया। अंग्रेज खिलाड़ी ने केन विलियमसन (3) को कैच एंड बोल्ड करके अपना अनुभव दिखाया और ब्रीट्जके (21) को आउट करके चार ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट लिए।

डॉसन को साथी स्पिनर साइमन हार्मर का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने हेनरिक क्लासेन का बड़ा विकेट सिर्फ एक रन पर लिया।कुछ कैच छूटने के बावजूद सनराइजर्स के तेज गेंदबाजों ने शानदार ऑलराउंडर गेंदबाजी की, जिसमें रिचर्ड ग्लीसन और ओटनील बार्टमैन ने दो–दो विकेट लेकर सुपर जायंट्स को सिर्फ 107 रन पर आउट कर दिया। रविवार को सेंट जॉर्ज पार्क में होने वाले मैच में दोनों टीमें फिर आमने–सामने होंगी।

स्कॉटलैंड और मैनचेस्टर यूनाइटेड लीजेंड डेनिस ला का 84 वर्ष की आयु में निधन

मैनचेस्टर, 18 जनवरी । फुटबॉल दिग्गज डेनिस लॉ का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वह प्रतिष्ठित बैलन डीओर पुरस्कार जीतने वाले स्कॉटलैंड के इकलौते खिलाड़ी थे।

द किंग और द लॉर्मेन के नाम से मशहूर लॉ ने फुटबॉल की दुनिया में अपनी छाप छोड़ी। मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ 11 साल बिताए, जहां उन्होंने 404 मैचों में 237 गोल किए। इस रिकॉर्ड के साथ वे क्लब के सर्वकालिक टॉप स्कोरर की सूची में वेन रूनी और सर बॉबी चार्लटन के बाद तीसरे स्थान पर हैं।एबरडीन में जन्मे लॉ ने हडर्सफील्ड टाउन से अपना पेशेवर करियर शुरू किया। इसके बाद वे इटली के टोरिनो क्लब में शामिल हुए। बाद में उन्होंने मैनचेस्टर सिटी और मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए भी खेला, जहां वह एक फुटबॉल लीजेंड बन गए। स्कॉटलैंड के लिए उन्होंने 55 मैच खेले और 30 गोल किए, जो उन्हें देश का संयुक्त सर्वश्रेष्ठ स्कोरर बनाता है।

डेनिस लॉ फुटबॉल के इतिहास में पहले ऐसे खिलाड़ी थे जिन्होंने तीन बार ब्रिटिश ट्रांसफर रिकॉर्ड तोड़ा। उनकी उपलब्धियां मैदान से बाहर भी प्रभावशाली रहीं, जो उन्हें क्लब और देश दोनों के लिए एक आदर्श बनाती हैं।2021 में, लॉ ने बताया कि वे अल्जाइमर और वैस्कुलर डिमेंशिया से पीड़ित थे। उनके परिवार ने उनके निधन की खबर शेयर करते हुए कहा, भारी मन से हम यह बताना चाहते हैं कि हमारे पिता डेनिस लॉ का निधन हो गया है। उन्होंने बड़ी बहादुरी से लड़ाई लड़ी, लेकिन अब वह शांति में हैं।परिवार ने उनकी देखभाल करने वालों और प्रशंसकों को धन्यवाद दिया और कहा, हम जानते हैं कि लोगों ने उन्हें कितना प्यार दिया, और यह प्यार हमेशा सराहा गया। धन्यवाद। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने अपने इस दिग्गज खिलाड़ी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, स्ट्रेटफोर्ड एंड के किंग के रूप में उन्हें याद रखा जाएगा। डेनिस लॉ हमारे क्लब के सबसे महान और सबसे प्यारे खिलाड़ियों में से एक थे। वह जबरदस्त गोल स्कोरर थे, खेल के प्रति उनका प्यार और जुनून उनको एक पीढ़ी का हीरो बनाता है। उनके परिवार और दोस्तों के लिए हमारी गहरी संवेदनाएं हैं। उनकी यादें हमेशा हमारे साथ रहेंगी।डेनिस लॉ का करिश्मा, कौशल, और अद्भुत गोल स्कोरिंग क्षमता ने उन्हें दुनियाभर के फुटबॉल प्रशंसकों के दिलों में खास जगह दी। उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों तक जिंदा रहेगी।

भारत की अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में 6.5 प्रतिशत की गति से बढ़ेगी :आईएमएफ

नई दिल्ली ,18 जनवरी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक में कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था 2025 और 2026 में 6.5 प्रतिशत की गति से बढ़ सकती है। यह हमारे अक्टूबर में जारी किए गए अनुमान के अनुरूप है। आईएमएफ का यह अनुमान वर्ल्ड बैंक के अनुमान के बाद आया है, जिसमें कहा गया था कि वित्त वर्ष 2025–26 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है, जो कि चालू वित्त वर्ष की विकास दर के अनुमान से अधिक है।आईएमएफ के अनुसार, वैश्विक अर्थव्यवस्था स्थिर बनी हुई है। कुछ एशियाई और यूरोपीय अर्थव्यवस्थाओं में निराशाजनक डेटा जारी होने के बाद, 2024 की तीसरी तिमाही में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर अक्टूबर 2024 के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक में अनुमानित वृद्धि से 0. 1 प्रतिशत कम थी।आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री और शोध निदेशक पियरे–ओलिवियर गौरींचस ने कहा, इस साल और अगले साल वैश्विक विकास दर 3.3 प्रतिशत पर स्थिर रहने का अनुमान है। महंगाई दर लगातार घट रही है। इस साल 4. 2 प्रतिशत और अगले साल 3.5 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत घरेलू मांग की उम्मीदों के कारण अधिक बढ़ रही है। वहीं, यूरोप धीमे विकास और लगातार उच्च ऊर्जा कीमतों का सामना कर रहा है।

गौरींचस ने कहा, उभरते बाजारों में मजबूती दिख रही है, चीन में मामूली सुधार की संभावना है।उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में 2025 और 2026 में विकास दर मोटे तौर पर 2024 के जीडीपी वृद्धि दर के अनुरूप ही रहेगी।आईएमएफ के अनुसार, कम होती महंगाई में नीति–जनित व्यवधान मौद्रिक नीति को आसान बनाने की राह को बाधित कर सकते हैं, जिसका राजकोषीय स्थिरता और वित्तीय स्थिरता पर प्रभाव पड़ सकता है।गौरींचस ने कहा कि महंगाई के जोखिमों को देखते हुए मौद्रिक नीति को तय किया जाना चाहिए। इसके लिए जहां आवश्यक हो, विश्वसनीय समेकन प्रयासों को लागू करने चाहिए।अब सभी की निगाहें आरबीआई पर हैं कि क्या वह अगले महीने महंगाई के कम होने पर दरों में कटौती को लागू करता है।इस गुरुवार को जारी विश्व बैंक की वैश्विक आर्थिक संभावनाओं में भारत में चालू वित्त वर्ष की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।

रायपुर में 6 फरवरी से शुरू होगी लीजेंड 90 लीग, खेलते नजर आएंगे कई दिग्गज

रायपुर, 18 जनवरी। लीजेंड 90 लीग की शुरुआत 6 फरवरी से 18 फरवरी तक रायपुर में होगी। इस लीग में भारत के पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन, सुरेश रैना और न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रॉस टेलर जैसे दिग्गज खिलाड़ी खेलेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच, श्रीलंका के पूर्व ओपनर तिलकरत्ने दिलशान और मार्टिन गप्टिल जैसे बड़े नाम भी इस लीग का हिस्सा होंगे।

इस लीग में छत्तीसगढ़ वॉरियर्स, हरियाणा ग्लैडिएटर्स, दुबई जायंट्स, गुजरात संप आर्मी, दिल्ली रॉयल्स, बिग बॉयज, रॉयल किंग्स पंजाब और राजस्थान किंग्स जैसी रोमांचक टीमें हिस्सा लेंगी। 90 गेंदों का नया फॉर्मेट इसे क्रिकेट का एक अनोखा अनुभव बनाएगा।

लीजेंड 90 लीग के डायरेक्टर शिवैन शर्मा ने कहा, हमें खुशी है कि हम यह लीग लेकर आ रहे हैं, जिसमें क्रिकेट के महान खिलाड़ियों को नए और रोमांचक फॉर्मेट में देखने का मौका मिलेगा। हमें यकीन है कि यह लीग क्रिकेट की दुनिया में नया इतिहास बनाएगी।

छत्तीसगढ़ वॉरियर्स की टीम में मार्टिन गप्टिल, सुरेश रैना और अंबाती रायडू जैसे खिलाड़ी होंगे। जबकि दिल्ली रॉयल्स की टीम में शिखर धवन और रॉस टेलर खेलेंगे। हरियाणा ग्लैडिएटर्स में हरभजन सिंह दिखेंगे तो राजस्थान किंग्स में ड्वेन ब्रावो खेलेंगे। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन दुबई जायंट्स की ओर से खेलेंगे।

दिल्ली रॉयल्स की ओर से खेलने जा रहे शिखर धवन ने अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा, मैं इस सीजन में दिल्ली रॉयल्स के लिए खेलने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैदान पर अपनी बेहतरीन फॉर्म दिखाने के लिए तैयार हूं। मेरे सभी फैंस का प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद।

इसके अलावा, लीग में इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोईन अली भी खेलेंगे। दिग्गज खिलाड़ियों और नए फॉर्मेट के साथ, लीजेंड 90 लीग क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक यादगार अनुभव बनकर उभरने के लिए तैयार है।

यूपीआई में 10 गुना बढ़ने की क्षमता, 20 से 30 करोड़ और लोगों को किया जा सकता है आनबोर्ड : एनपीसीआई सीईओ

नई दिल्ली ,18 जनवरी। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, दिलीप असबे ने शुक्रवार को कहा कि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) में 10 गुना वृद्धि की क्षमता है और जल्द ही 20 से 30 करोड़ और लोग डिजिटल भुगतान के दायरे में आ जाएंगे।

दिलीप असबे ने कहा कि भारत डिजिटल भुगतान क्रांति के मुहाने पर है।

एनपीसीआई प्रमुख ने 19वें भारत डिजिटल शिखर सम्मेलन (आईडीएस) के एक सत्र के दौरान कहा, हमें 20–30 करोड़ अन्य लोगों को डिजिटल भुगतान के दायरे में लाने के लिए आरबीआई, सरकार और इकोसिस्टम से समर्थन की आवश्यकता है।

इस सम्मेलन का आयोजन इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएमएआई) ने आईटी मंत्रालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सहयोग से किया था।

असबे ने कहा,डिजिटल भुगतान अब जीवन का अभिन्न अंग बन गए हैं। मुझे नहीं लगता कि हम नकदी की ओर वापस जा रहे हैं।

आगे कहा कि यूपीआई सभी खिलाड़ियों द्वारा उपयोग की जाने वाली आधारभूत संरचना बन गई है, चाहे वे वित्तीय सेवाओं या अन्य उद्योगों में फिनटेक स्टार्टअप हों।

अस्बे के मुताबिक, पिछले 8–10 वर्षों में यूपीआई के इन्फ्रास्ट्रक्चर लेयर में बदलने की यात्रा काफी शानदार रही है। आरबीआई और सरकार का समर्थन निरंतर इनोवेशन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण रहा है। यह समर्थन समय के साथ केवल मजबूत हुआ है, जिससे यूपीआई को और आगे बढ़ाने के प्रयासों को प्रोत्साहन मिला है।

रुपे के विकास पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि रुपे कार्ड नेटवर्क तेजी से बढ़ रहा है और इसमें भारत के सबसे बड़े कार्ड नेटवर्क में से एक बनने की क्षमता है।

एनपीसीआई प्रमुख ने कहा, फिलहाल, रुपे के पास क्रेडिट कार्ड बाजार में लगभग 16–17 प्रतिशत की हिस्सेदारी है और हमारा लक्ष्य अगले कुछ वर्षों में इसे बाजार में एक बराबर का खिलाड़ी बनाना है।

चोट के कारण रणजी ट्रॉफी के अगले राउंड से बाहर रहेंगे कोहली और राहुल

नईदिल्ली, 18 जनवरी। स्टार क्रिकेटर विराट कोहली और केएल राहुल ने बीसीसीआई की मेडिकल टीम को सूचित किया है कि वे चोटों से जूझ रहे हैं। इस कारण वे 23 जनवरी से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी मैचों के आगामी दौर में भाग नहीं ले पाएंगे।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो ने बताया ने बताया कि कोहली गर्दन के दर्द से जूझ रहे हैं, जिसके लिए उन्हें सिडनी में बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के खत्म होने के बाद 8 जनवरी को एक इंजेक्शन दिया गया था। उपचार के बावजूद, उन्हें अभी भी दिक्कत हो रही है, जिसके कारण वह राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ दिल्ली के मैच से बाहर हो जाएंगे।

दूसरी ओर, राहुल कोहनी की समस्या से जूझ रहे हैं, जिसके कारण वह बेंगलुरु में पंजाब के खिलाफ कर्नाटक के लिए नहीं खेल पाएंगे।गुरुवार को बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के खिलाफ जरूरी दिशा–निर्देश जारी किया। इसमें घरेलू क्रिकेट में अनिवार्य रूप से भागीदारी लेना भी शामिल है। जो खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट नहीं खेलेगा, उसको राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष से अनुमति लेनी होगी।हालांकि कोहली और राहुल दोनों इस दौर में नहीं खेलेंगे, फिर भी वे ग्रुप चरण के अंतिम दौर में खेल सकते हैं, जो 30 जनवरी से शुरू होगा।हालांकि, ये मैच 6 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज से ठीक पहले समाप्त होंगे। दोनों खिलाड़ी एकदिवसीय टीम और चौंपियंस ट्रॉफी में जगह बनाने के लिए दावेदार हैं। दोनों टूर्नामेंटों के लिए टीम चयन की घोषणा शनिवार को की जाएगी।ऋषभ पंत (दिल्ली), शुभमन गिल (पंजाब) और रवींद्र जडेजा (सौराष्ट्र) समेत अन्य नियमित टेस्ट खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी मैचों के अगले दौर में भाग लेंगे।भारतीय टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा ने भी इस सप्ताह की शुरुआत में वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई की रणजी ट्रॉफी टीम के साथ अभ्यास किया। मुंबई के आगामी रणजी मैच में रोहित की भागीदारी अभी साफ नहीं है।

सचिन तेंदुलकर भी हुए करुण नायर के कायल

नईदिल्ली, 18 जनवरी। भारतीय क्रिकेटर करुण नायर का नाम इस वक्त काफी चर्चा में है. उन्होंने घरेलू क्रिकेट में विजय हजारे में कमाल की बल्लेबाजी करते हुए खूब रन बनाए हैं. विदर्भ के कप्तान करुण नायर के प्रदर्शन को देखकर क्रिकेट के गलियारे में अब उन्हें टीम इंडिया में शामिल करने की चर्चा हो रही है. इसी बीच क्रिकेट के भगवान माने जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने भी उनके लिए एक स्पेशल पोस्ट शेयर कर दिया है.

विदर्भ की कमान संभाल रहे करुण नायर ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से हर किसी को इम्प्रेस कर दिया है. अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने उनके लिए एक्स पर पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उनके ऐतिहासिक प्रदर्शन को सराहा है. तेंदुलकर ने करुण नायर को टैग करते हुए लिखा, 7 पारियों में पांच शतकों के साथ 752 रन बनाना असाधारण से कम नहीं है. इस तरह के प्रदर्शन यूं ही नहीं हो जाते. ऐसे प्रदर्शन अत्यधिक फोकस और कड़ी मेहनत से आते हैं. ऐसे ही मजबूत बने रहें और हर अवसर का लाभ उठाएं.करुण नायर विजय हजारे ट्रॉफी में कमाल की बल्लेबाजी करते हुए आगे बढ़ रहे हैं. उन्होंने अब तक 8 मैच खेले हैं, जिसकी 7 पारियों में 125.96 की स्ट्राइक रेट से 752 रन बनाए हैं. इस दौरान उनके बल्ले से 7 शतकीय पारियां आई हैं. उनकी कप्तानी में विदर्भ की टीम फाइनल में पहुंच गई है.करुण नायर को अपकमिंग इंग्लैंड सीरीज और चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टीम इंडिया में शामिल किया जा सकता है. सोशल मीडिया पर फैंस और तमाम पूर्व क्रिकेटर्स भी करुण को स्क्वाड में शामिल करने की बात कर रहे हैं. लेकिन, अब देखने वाली बात होगी की सिलेटर्स करुण नायर के इस ऐतिहासिक प्रदर्शन से इम्प्रेस हुए हैं ।

सरकार ने दूरसंचार उद्योग के लिए 687 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की रीफार्मिंग को दी मंजूरी : ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली ,18 जनवरी। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने विभिन्न मंत्रालयों से दूरसंचार उद्योग के लिए 687 मेगाहर्ट्ज (मेगाहर्ट्ज) स्पेक्ट्रम की रीफार्मिंग को मंजूरी दे दी है। उद्योग निकायों ने देश भर में बेहतर 5जी सेवाओं के तेजी से रोलआउट और 6जी युग की तैयारी के लिए इस कदम की सराहना की है।राष्ट्रीय राजधानी में सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) के डिजिकॉम समिट में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारे पास 1,100 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की कमी है जिसे 2030 तक पूरा करने की जरूरत है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, कल की कैबिनेट में हमने 687 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम को रीफार्म करने की मंजूरी दी है। 320 मेगाहर्ट्ज तत्काल जारी किए जाएंगे, कुछ अगले साल के अंत तक और बाकी 2028–29 तक, जो हमें 2030 के लिए तैयार कर देगा।

4जी, 5जी और बाद में 6जी सेवाओं की दूरसंचार उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्पेक्ट्रम की रीफार्मिंग की जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सचिवों की एक समिति गठित की, जो यह देखेगी कि विभिन्न मंत्रालयों के पास कितना स्पेक्ट्रम है और क्या वे इसका प्रोडक्टिव तरीके से इस्तेमाल कर रहे हैं या इसे केवल स्टोर कर रहे हैं।सिंधिया के अनुसार, यदि स्पेक्ट्रम का प्रोडक्टिव तरीके से उपयोग नहीं किया जा रहा है, तो इसे वहां दिया जाना चाहिए, जहां इसकी जरूरत है। अब पैनल अतिरिक्त स्पेक्ट्रम की पहचान करने पर काम कर रहा है, जिसे रिफॉर्म किया जा सकता है।केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि दूरसंचार परिदृश्य के विकास में कोई बाधा न आए।सीओएआई न कहा कि स्पेक्ट्रम की रीफार्मिंग से पूरे देश में बेहतर 5जी सेवाओं को शुरू करने में मदद मिलेगी।सीओएआई के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. एस.पी. कोचर ने कहा, सीओएआई ने प्रचार किया है कि भारतीय इकोसिस्टम को अंतरराष्ट्रीय मोबाइल दूरसंचार (आईएमटी) सर्विस के लिए 2,000 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की आवश्यकता है और हमें यह जानकर बहुत खुशी हो रही है कि संचार मंत्री की सलाह के तहत कैबिनेट ने इस मात्रा को स्वीकार कर लिया है।कोचर ने कहा, उन्होंने पहले ही स्पेक्ट्रम अलोकेट कर दिया है, जिससे हमारे पास पहले स्टेज में 320 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम हो गया है, जिससे लगभग 400 मेगाहर्ट्ज की कमी रह गई है, जिसे सचिवों की समिति द्वारा कैबिनेट को प्रस्तुत किए जाने वाले आगामी प्रस्तुतियों में पूरा किया जाना चाहिए।केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने आगे कहा कि दूरसंचार अब देश के विकास में एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 7 प्रतिशत का योगदान देता है। उन्होंने कहा, आने वाले वर्षों में भारतीय दूरसंचार क्षेत्र दुनिया के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण होगा।

शेयर बाजार के लिए मिलाजुला रहा यह हफ्ता, डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण पर होंगी निवेशकों की निगाहें

नई दिल्ली ,18 जनवरी। अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण से पहले शेयर बाजार में निवेशक सर्तक बने हुए हैं और इस हफ्ते बाजार का प्रदर्शन मिलाजुला रहा है। बाजार में हफ्ते की शुरुआत में तेजी देखी गई थी, लेकिन शुक्रवार के कारोबारी सत्र में बिकवाली देखी गई। इस दौरान लार्जकैप आईटी और बैंकिंग शेयरों पर दबाव देखने को मिला। हालांकि, सरकारी बैंकों का प्रदर्शन मजबूत रहा।

हफ्ते के अंत में सेंसेक्स 76,619.33 पर और निफ्टी 23,203.2 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी बैंक 738.10 अंक या 1.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 49,540.6 पर बंद हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 123.85 अंक या 0.23 प्रतिशत चढ़कर 54,607.65 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 28.75 अंक या 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,672.05 पर बंद हुआ।सितंबर 2024 के उच्च स्तर से बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली है। इस दौरान निफ्टी 50 इंडेक्स 11.5 प्रतिशत, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 12 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 11 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट हुई है।बाजार की मजबूती के लिए आने वाले समय में तीसरी तिमाही के नतीजे काफी महत्वपूर्ण होंगे।बाजार के जानकारों के अनुसार, डॉलर के मजबूत होने के कारण निवेशक सतर्क बने हुए हैं और जोखिम को कम कर रहे हैं। इसके अलावा नए अमेरिकी प्रशासन की संभावित आर्थिक नीतियों पर बढ़ती अनिश्चितता ने बाजार के सेंटीमेंट को नुकसान पहुंचाया है।कुल मिलाकर तीसरी तिमाही के कमजोर नतीजों की उम्मीदों के कारण अल्पावधि में बाजार के सतर्क रहने की उम्मीद है। वहीं, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से बाजार में अस्थिरता जारी रह सकती है।

राजधानी लखनऊ में मिर्जापुर के योगी ज्वाला के योगासन का बजा डंका

मीरजापुर(संवाददाता)। बहुत कम उम्र में ही योगासन के जरिए भारत सहित कई देशों में अपने योग क्रियाओं के माध्यम से स्वामी बाबा रामदेव जी के सानिध्य में रहकर योग का जलवा बिखेर रहे युवा योगी ज्वाला ने उत्तर प्रदेश की राजधानी में योग की विशेषता बताते हुए इसके महत्व को बताया है। राजधानी लखनऊ के शिव बिहार इंदिरा नगर के प्राचीन योग शिक्षण संस्थान में राष्ट्रीय योगासन जज योग गुरु योगी ज्वाला ने शिक्षक और शिक्षिकाओं को खड़े होकर करने वाले आसन, बैठकर करने वाले योग आसनों के साथ–साथ प्राणायाम का अभ्यास करते हुए उनसे होने वाले लाभ के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा नियमित रूप से आसन, प्राणायाम करने वाले साधक एक दिन समाधि की अवस्था अर्थात अपने वास्तविक स्वरूप को जानकर उसमें निमग्न रहना सीख जाते हैं। योग गुरु योगी ज्वाला ने शिक्षण संस्थान में विभिन्न स्थानों से योग शिक्षको जो कि योग विद्या अर्जित कर रहे है, उन साधकों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में योग को आत्मसात करने वाले व्यक्ति के जीवन के वास्तविकताओं से परिचित हो पाता है, क्योंकि योग मनुष्य के जीवन में अद्भुत परिवर्तन लाता है। जिससे मानव स्वीकार के पूर्ण रूप से स्वस्थ निरोग और सप्रसन्न रह सकता है। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक विकास सिंह राजपूत ने कहा कि योग व्यक्ति को शारीरिक मानसिक व आध्यात्मिक रूप से मजबूत बनाता है, साथ ही इसके नित अभ्यास से मनुष्य जीवन के हर प्रकार के दुखों से निवृत्त हो जाता हैं, इसलिए आज हर मानव को योग अवश्य करना चाहिए। इस अवसर पर संस्थापक विकास सिंह राजपूत के साथ–साथ उनकी पूरी टीम ने योग गुरु का स्वागत कर आभार व्यक्त किया। इस मौके पर अंशिका विश्वकर्मा, अमन शुक्ला, आलोक सिंह, नितिन वर्मा, आशीष, रक्षा सिंह, शालिनी सिंह, साक्षी त्रिपाठी आदि शिक्षक एवं शिक्षिकागण उपस्थित रहें।

कांग्रेस सांसद राकेश राठौर पर दुष्कर्म आदि धाराओं में केस दर्ज

- महिला का आरोप विवाह का झांसा देकर बनाते थे संबंध
- जान माल की धमकी का भी आरोप

सीतापुर(संवाददाता)। सीतापुर से कांग्रेस सांसद राकेश राठौर पर शहर कोतवाली में दुष्कर्म आदि धाराओं में केस दर्ज किया गया है। महिला का आरोप है कि सांसद शादी करने और राजनीति में करियर बनवाने का झांसा देकर चार वर्षों से दुष्कर्म कर रहे हैं। महिला ने पुलिस को कई साक्ष्य भी दिए हैं। पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र ने बताया कि पुलिस केस दर्ज कर साक्ष्य जुटा जा रही है। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद से सांसद के सारे फोन नंबर स्विच ऑफ बता रहे हैं। पीड़िता का कहना है वर्ष 2018 में राकेश राठौर विधायक थे। इसी वर्ष उनकी मुलाकात राकेश राठौर से हुई थी। इसके बाद राकेश राठौर ने उन्हें संरक्षण देकर राजनीति में चमकाने का भरोसा दिलाया। कुछ दिन बाद उन्होंने महिला को एक जातीय संगठन का महिला अध्यक्ष बनाकर निकटता बढ़ाई।इसी बीच वर्ष 2020 में राकेश राठौर ने महिला को घर बुलाकर जबरन दुष्कर्म किया। विरोध करने पर राकेश राठौर ने पत्नी से तलाक लेकर पीड़िता से शादी करने का भरोसा दिया। इसके बाद राकेश राठौर ने पीड़िता से कई बार दुष्कर्म किया। सांसद बनने के बाद 24 अगस्त 2024 को राकेश राठौर ने पीड़िता को अपने घर बुलाया। आरोप है कि सांसद ने एक सादे कागज पर आपत्तिजनक शब्द लिखवाकर हस्ताक्षर करवाए। साथ ही यह भी कहा कि अगर विरोध किया तो तुम्हें बदनाम कर दूंगा। आरोप है कि विरोध करने पर सांसद ने जान–माल के नुकसान की धमकी दी। लोकलाज के चलते पीड़िता चुप रही। बावजूद इसके सांसद की ओर से पीड़िता का शोषण किया गया। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर सीतापुर पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्रा का कहना है कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर शहर कोतवाली में कांग्रेस सांसद राकेश राठौर के खिलाफ दुष्कर्म आदि धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस महिला का बयान न्यायालय में दिलाएगी। महिला को डॉक्टरी परीक्षण के लिए भेजा गया। महिला की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

प्रजापिता ब्रह्म बाबा का 56 वां स्मृति दिवस मनाया गया

मीरजापुर(संवाददाता)। नगर के शुक्लहां स्थित ब्रह्माकुमारीज के मुख्य सेवाकेंद्र प्रभु उपहार भवन में संस्था के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का 56 वां स्मृति दिवस बड़ी शालीनता और शिष्टता से मनाया गया। प्रातः काल से ही सेवा केंद्र पर बीके भाई बहनों का तांता लगा हुआ था, सभी अमृत बेला 4 बजे से ही योग साधना में बैठे थे, सेवा केंद्र का वातावरण अत्यन्त शांत और दिव्य था। शांति के प्रकंपन चारों ओर फैल रहे थे। संस्था प्रधान राजयोगिनी बिन्दु दीदी ने सभी को परमात्मा के महावाक्य सुनाए और शिव बाबा को भोग स्वीकार कराया। दीदी ने सभी को ब्रह्माबाबा के जीवन मूल्यों से अवगत कराते हुए कहा कि बाबा युग दृष्टा थे, उन्होंने उस रुढीवादी समाज में जब महिलाओं को बड़े हेय दृष्टि से देखा जाता था, तब न केवल सम्मान दिया बल्कि अपनी सारी चल, अचल संपत्ति उनके नाम से एक ट्रस्ट बनाकर उसमें दान कर दी। बाबा ने इन माताओं, बहनों को सारे विश्व में सेवा का लक्ष्य दिया और आज पूरे विश्व में (140 देशों में) यह संगठन अपने 9000 सेवा केंद्रो और लगभग 50 हजार समर्पित बहनों के माध्यम से मानवता की सेवा कर रहा है। बाबा अपने गहन पुरुषार्थ और तपस्या से एक अलौकिक सिद्धि स्वरूप व्यक्तित्व बन गए। 18 जनवरी 1969 को बाबा ने अंतिम दिन तक अविराम सेवा की। तत्पश्चात अनेक भाई बहनों ने अपने भावना पुष्प के द्वारा बाबा को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। संस्था के विंध्याचल स्थित आध्यात्मिक संग्रहालय शिव शक्ति वरदानी भवन में भी सेकडों भाई बहनों की उपस्थिति में प्रभारी बी के नीता बहन ने बाबा को भोग लगाया और बी के प्रदीप भाई ने सभी को विस्तार पूर्वक बाबा के जीवन चरित्र और संस्था की जानकारी दी। बी के आरती बहन ने मधुर गीत के माध्यम से बाबा को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। दोनों सेवा केंद्रों पर सभी को ब्रह्मा भोजन भी कराया गया। बाबा का स्मृति दिवस पूरे विश्व में विश्व शांति दिवस के रूप में मनाया जाता है।

प्रदेश में चौमुखी विकास की लहर दिखाई दे रही - राकेश राठौर गुरु

खैराबादध्सीतापुर(संवाददाता)। खैराबाद में ऑडिटोरियम में जनपद के 650 लाभार्थियों को घरौनी वितरित की गई। नगर विकास मंत्री राकेश राठौर, कारागार मंत्री सुरेश राही तथा महोली विधायक शशांक त्रिवेदी, जिला अधिकारी अभिषेक आनंद आदि के द्वारा घरौनी प्रमाण पत्र वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्री सुरेश राही, राकेश राठौर गुरु तथा विधायक शशांक त्रिवेदी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। नगर विकास मंत्री राकेश राठौर गुरु ने कहा कि प्रदेश में चौमुखी विकास की लहर दिखाई दे रही है। इसकी वजह डबल इंजन की सरकार है। कारागार मंत्री सुरेश राही ने कहा कि योगी तथा मोदी की जोड़ी ने प्रदेश तथा देश के विकास में कोई भी कसर नहीं छोड़ी है। वह दिन दूर नहीं जब भारत की गिनती विकसित देशो की श्रेणी में की जाएगी। कार्यक्रम को महोली विधायक शशांक त्रिवेदी सहित लोगों ने संबोधित किया। इस अवसर पर 650 लाभार्थियों को घरौनी का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी अभिषेक आनंद, नगर ालिका परिषद खैराबाद अध्यक्ष प्रतिनिधि अभिषेक गुप्ता, नगर पालिका परिषद सीतापुर अध्यक्ष प्रतिनिधि मुनीम अवस्थी आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को घरौनी वितरण का कार्यक्रम तहसील परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महोली ब्लॉक के तीन व पिसांवा ब्लॉक के दो ग्रामों के ग्रामीणों को घरौनी वितरण की गई।कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक शशांक त्रिवेदी ने की। शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाना था परंतु शासन के निर्देश पर ग्रामीणों को घरौनी वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कारण आज संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित नहीं किया जा सका। स्वामित्व योजना अंतर्गत महोली ब्लाक के नेकपुर में 182, भुडकुडा में 170, अमिलिया में 495 पिसावा ब्लॉक के महाराज नगर में 58, खासपुर में 78 घरोनियों का वितरण विधायक शशांक त्रिवेदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विधायक शशांक त्रिवेदी ने कहा कि स्वामित्व योजना का उद्देश्य पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार, राज्य के राजस्व विभाग के सहयोग से ड्रोन सर्वेक्षण तकनीक का उपयोग करते हुए ग्रामीण आबादी के आवासीय अधिकार अभिलेख तैयार करना है। इस घरौनी से ग्रामीणों को कर्जा व अन्य वित्तीय लाभ प्राप्त करने के लिए उपयोग में लाया जा सकता हैं। ग्रामीण नियोजन हेतु सटीक भूमि अभिलेखो और जीआईएस नक्शे में भी देखी जा सकती है। इस घरौनी से संपत्ति संबंधी विवाद भी कम होंगे। इस योजना की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 अप्रैल 2020 को ग्रामीण परिवार प्रमाण पत्र (घरौनी) के नाम से की थी। इस योजना से ग्रामीणों में भूमि विवाद के आपकी झगड़ा जो होते थे उससे राहत मिल सकेगी। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी शशी बिंद द्विवेदी, तहसीलदार तपस्या यादव, नायब तहसीलदार शिव प्रकाश, महेंद्र वर्मा लेखपाल कमल वर्मा ,अनीश द्विवेदी सहित कर्मचारी मौजूद रहे। महमूदाबाद तहसील सभागार में विधायक आशा मौर्या, एसडीएम शिखा शुक्ला, तहसीलदार अनिल कुमार ने गुलौली, सेमरा और पचदेवरा भान समेत तीन गांवों के 100 ग्रामीणों को घरौनी वितरित की। महमूदाबाद ब्लाक सभागार में विधायक आशा मौर्या, बीडीओ संदीप कुमार ने ग्रामीणों को घरौनी वितरित की। तहसील क्षेत्र के 133 गांवों में अलग–अलग टीमें घरौनी वितरित कर रही हैं।

चोरी के बिजली के तार के साथ चार गिरफ्तार

सीतापुर(संवाददाता)। नैमिषारण्य थाना पुलिस टीम ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि चारों शातिर चोर है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी से काटा गया बिजली का तार बरामद किया है। नैमिषारण्य थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने सिधौली कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला संत नगर निवासी निलेश जायसवाल पुत्र श्री कृष्णा जायसवाल, महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बेहटा निवासी आरिफ पुत्र साबिर व संदीप पुत्र रामानंद, महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम निरहन निवासी विनीत पुत्र डालचंद को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के बिजली का तार बरामद किया है। चारों लोग एक कार में सवार थे, पुलिस ने कार को भी बरामद किया है। बरामद तार का वजन 25 किलोग्राम बताया जा रहा है। पुलिस ने तार कटर आदि उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है।

ईश्वर विभिन्न रूपों से तपस्या द्वारा ही संसार की रचना, पालन और संहार करते हैं : हरगोविंद त्रिपाठी महाराज

ड्रमंडगंज, मीरजापुर(संवाददाता)। लालगंज क्षेत्र के बरडीहा कलां गांव में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन कथा वाचक हरगोविंद त्रिपाठी महाराज ने राजा परीक्षित की कथा सुनाई। कथा वाचक ने आदि देव ब्रह्मा की उत्पति कमल नाल का वर्णन करते हुए बताया कि 16वां वर्णत और 21वां वर्णों पर से यानी तप करो। इनके तप से प्रसन्न होकर भगवान ने बैकुंठ धाम दिखाया। जहां माया और रागिनी विकार नहीं रहते हैं। शुकदेव मुनि ने कहा कि ईश्वर विभिन्न रूपों से तपस्या द्वारा ही संसार की रचना, पालन और संहार करते हैं। शुकदेव का जन्म विचित्र तरीके से हुआ। कहते हैं कि 12 वर्ष तक मां के गर्भ में शुकदेव जी रहे। एक बार शुकदेव जी पर देवलोक की अप्सरा रम्भा आकर्षित हो गई और उनसे प्रणय निवेदन किया। जब वह बहुत कोशिश कर चुकी तो शुकदेव जी ने पूछा आप मेरा ध्यान क्यों आकर्षित कर रही है। मैं तो उस सार्थक रस को पा चुका हूं जिससे क्षण भर हटने से जीवन निरर्थक होने लगता है। मैं उस रस को छोड़कर जीवन को निरर्थक नहीं बनना चाहता हूं।भागवत भजन के द्वारा माहौल को भागवत मय एवं भक्ति मय बना दिया। कथा आयोजन एवं यजमान रामचंद्र मिश्रा पत्नी श्रीमती प्रेमा देवी रही। इस मौके पर क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक मिथिलेश कुमार त्रिपाठी, सूर्यमणि मिश्रा, लालमणि पांडे, रामपाल दुबे, दिनेश कुमार, शिवम कुमार पांडे एडवोकेट, कृपा शंकर मिश्रा, अरविंद मिश्रा, साहब मिश्रा, राजन मिश्रा, विजय शंकर, गौरी शंकर मिश्रा, आदि भारी संख्या में महिला पुरुष मौजूद रहें।

चालीस लाभार्थियों को बांटा गया स्वामित्व योजना प्रमाण पत्र

हलिया, मीरजापुर(संवाददाता)। प्रधानमंत्री का लाईव प्रसारण कार्यक्रम ब्लॉक सभागार में मुख्य अतिथि भाजपा उपाध्याय की अध्यक्षता में दीप प्रज्ज्वलित कर प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लाभार्थियों व ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के लाईव प्रसारण को सुना । जिसके बाद नायब तहसुलदार हलिया राजीव यादव ने अपने उद्बोधन में सरकार की योजनाओं को बताते हुए कहा श्रेणी 6 में घर बना कर रहने वाले विकास खंड के चालिस लोगों को घरौधी प्रमाण पत्र दिया गया। भाजपा जिलाउपाध्याय बिपुल सिंह ने बताया कि यह स्वामित्व योजना अपने आप में बहुत बड़ी योजना है पांच वर्ष पूर्व शुरू हुई इस योजना का उद्देश्य गांव में रहने वालों को कानूनी अधिकार देने का कार्य सरकार कर रही है।

हम सब को सामूहिक प्रयास से जनपद को दुर्घटना मुक्त बनाना

सीतापुर(संवाददाता)। मेरा युवा भारत अंतर्गत नेहरू युवा केंद्र सीतापुर, राष्ट्रीय सेवा योजना सेक्रेड हार्ड डिग्री कॉलेज एवं आरएमपी व कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा सप्ताह कार्यक्रम का शुभारम्भ कार्यालय नेहरू युवा केंद्र में किया गया। जिसके अंतर्गत जागरूकता पोस्टर्स का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिला युवा अधिकारी श्रीमती रोशनी पटवा ने उपस्थित युवाओं को आगामी 23 जनवरी 2025 यानी एक सप्ताह तक शहर के मुख्य स्थानों पर निरन्तर सड़क सुरक्षा को लेकर आमजन के बीच जागरूकता के लिये प्रेरित किया व सभी को कार्यक्रम के उद्देश्यों से अवगत कराया। कार्यक्रम में उपस्थित यातयात पुलिस से टीएसआई प्रेम चंद्र व ने कहा कि सीतापुर गौरवशाली जनपद है और हम सब को सामूहिक प्रयास से जनपद को दुर्घटना मुक्त बनाना हैं, हम पंच मंत्र का उपयोग करके सड़क दुर्घटनाओं को रोक सकते हैं जिसमें हेलमेट और सीटबेल्ट का उपयोग करने के साथ साथ ड्राइविंग के समय मोबाइल का उपयोग बिल्कुल न करें और नशा करके वाहन न चलाएं साथ ही ओवर स्पीड में वाहन बिल्कुल न चलाएं और अच्छा मददगार बनने के लिये भी युवाओं को प्रेरित किया। यातायात विभाग से ऋषभ ने कहा कि सड़क सुरक्षा आज का सबसे गंभीर विषय है, हम छोटी–छोटी सावधानी बरत कर बड़ी दूर्घटनाओं को टाल सकते हैं। सड़क सुरक्षा के मांनको को हम अपनी आदत बनाएं। एन व एस व एस व कोऑर्डिनेटर डॉक्टर शशि कला जी की उपस्थिति में यातायात के नियमों का पालन हेतु कार्यालय यातायात पर पीपीटी के माध्यम से सभी को विसुअल प्रशीक्षण टी एसआई वी प्रेम चंद्र द्वारा दिया गया। इस अवसर पर नेहरू युवा केंद्र से पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक गोमती शर्मा, योगेश यादव, नूर आलम, अलाउदीन, अमरेंद्र चौहान कवि इत्यादि गणमान्यजन उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल की जिला कार्यकारिणी घोषित

सीतापुर(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष संजय मिश्रा ने प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता के अनुमोदन एवं प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता से परामर्श के पश्चात जिले की टीम की घोषणा कर दी है। इस क्रम में वरिष्ठ समाजसेवी विश्व वीर गुप्ता को संरक्षक बनाया है। इसके अलावा अमित अग्रवाल को जिला महामंत्री, अनिल अग्रवाल को जिला कोषाध्यक्ष बनाया है। प्रदीप अग्रवाल मुन्ना को जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अजहर बाग बब्बू विजय रस्तोगी गुड्डू रामकिशोर राठौर मनीष सिंह अमित गुप्ता को जिला उपाध्यक्ष, अर्जुन सिंह राठौड़ दीपक शुक्ला नीरज गुप्ता, आलोक अग्रवाल, रतन सिंन्हा को जिला मंत्री बनाया है। नरेश अग्रवाल को जिला प्रवक्ता जबकि महेंद्र अग्रवाल को विधिक सलाहकार बनाया है। अनुज सक्सेना को मीडिया प्रभारी और रामकिशोर अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, श्रीराम अग्रवाल, डॉक्टर अभिषेक भारती, आशीष खेतान, मनोज अग्रवाल, सरदार त्रिलोचन सिंह, सुजीत गुप्ता, आशीष अग्रवाल फनी, राजीव वैश्य, मुन्ना लाल गुप्ता को विशेष आमंत्रित सदस्य मनोनीत किया है। जिला कमेटी घोषित होने पर प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता विश्व वीर गुप्ता नरेश अग्रवाल सरदार त्रिलोचन सिंह श्री राम अग्रवाल विनय गुप्ता सहित व्यापारियों ने हर से व्यक्ति कर कहा कि संगठन व्यापारियों के हित में सदैव कार्य करेगा

मादक पदार्थ अधिनियम में 6 माह की कैद

सीतापुर(संवाददाता)। अपर सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट न्यू ने मादक पदार्थ अधिनियम में दोषी को सजा सुनाई है। न्यायाधीश ने दोषी को 6 माह कैद की सजा सुनाई है। वही 5 हजार रूपये के अर्थदंड से भी दंडित किया है। मिश्रित कोतवाली में वर्ष 2018 में मिश्रित कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बिठौली निवासी श्रीकांत उर्फ धाकड़ पुत्र राम औतार के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया था। धाकड़ पर 50 ग्राम इसमें बरामद होने का आरोप था। इस मामले की सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट न्यू ने साक्ष्य को देखने और गवाहों तथा दोनों पक्ष के अधिवक्ताओं के बहस सुनने के बाद श्रीकांत उर्फ धाकड़ को दोषी करार दिया। न्यायाधीश ने श्रीकांत उर्फ धाकड़ को 6 माह कैद की सजा सुनाई है। वही 5 हजार रुपये के अर्थदण्ड से भी दण्डित किया है।

मंदिर से अष्टधातु की बेशकीमती चोरी गई मूर्तियों के साथ सपा नेता समेत चार गिरफ्तार

'जाने करोड़ों की चोरी का क्या रहा है पूरा प्लान

मीरजापुर(संवाददाता)। जिले की पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए प्राचीन मंदिर से चोरी गई तीस करोड़ की मूर्तियों संग मंदिर के बाबा सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आश्चर्य कि बात है कि चोरी के इस मामले में समाजवादी पार्टी युवजन सभा के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व जिला पंचायत सदस्य राम बहादुर पाल को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोपी सपा नेता ने मंदिर के महंत बंसीदास उर्फ बन्सीबाबा के साथ मिलकर श्रीराम जानकी मंदिर में सैकड़ों वर्ष से लगी अष्टधातु की मूर्ति की चोरी की थी। मिर्जापुर जिले के पड़री थाना क्षेत्र के कठिनई गांव में सैकड़ों वर्ष पुराने भगवान श्री राम, लक्ष्मण और मां जानकी की मूर्ति मंदिर में लगी हुई थी। बीते 14 जनवरी 2025 को अष्टधातु की लगी तीनों मूर्ति मंदिर से गायब हुई थीं। मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा किया। शनिवार को को दोपहर में पुलिस लाइन स्थित सभागार में एएसपी ऑपरेशन ओपी सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस कर मामले का खुलासा किया है। दरअसल, पूरा मामला यह है कि मिर्जापुर जिले के पड़री थाना क्षेत्र अंतर्गत कठिनई गांव में प्राचीन श्री राम जानकी का मंदिर है मंदिर में अष्टधातु की श्रीराम लक्ष्मण एवं माता जानकी की प्रतिमा स्थापित रही है। यह मंदिर अति प्राचीन होने के साथ ही साथ इसका काफी महत्व भी बताया जाता है जहां से लाखों भक्तों की आस्था जुडी हुई है। सब कुछ ठीक–ठाक चल रहा था कि अचानक 13 ध14 जनवरी की रात में मंदिर से बेसकीमती श्रीराम, लक्ष्मण और माता जानकी के अष्टधातु की अति प्राचीन मूर्ति चोरी हो जाती है। जिसकी जानकारी सुबह होते ही गांव में हड़कंप मच जाता है। भक्तों में आक्रोश बढ़ने के साथ ही साथ चोरी की इस घटना को लेकर तरह–तरह की चर्चा भी शुरू हो जाती है। सूचना पर पहुंची पुलिस भी मौके का मौका मुआयना करती है। इस संदर्भ में मंदिर के पुजारी बंशीधर गुरु महामंडलेश्वर श्री जय रामदास जी महाराज द्वारा चोरी के संबंध में पडरी थाना पुलिस को तहरीर दी जाती है, जिसे दर्ज कर पुलिस विवेचना प्रारंभ करती है। प्राचीन मंदिर में हुई करोड़ों की अष्टधातु की मूर्ति चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए जनपद के नवागत पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा द्वारा घटना के खुलासा एवं चोरी गई मूर्तियों के बारामती के लिए अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन आप सिंह एवं क्षेत्राधिकार सदर अमर बहादुर के नेतृत्व में सर्विलांस, एसओजी व थाने तक पादरी को भी निर्देश देते हुए टीम गठित कर दी गई थी। एसपी के कड़े निर्देश पर पुलिस टीम लगातार मंदिर में हुई करोड़ की मूर्ति चोरी को गंभीरता से लेते हुए गंभीरतापूर्वक छानबीन और जांच पड़ताल किया जा रहा था कि इसी दौरान मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने पड़री थाना क्षेत्र अंतर्गत हाईमाई मंदिर के पास से बोलेरो सवार चार लोगों को संदिग्ध परिस्थितियों में देख दबोच लिया। जिनमें सवार लोगों की पहचान कराई गई तो मंदिर के पुजारी बंशीदास जिन्होंने इस चोरी के प्रकरण की तहरीर दी थी तथा उनके अलावा लवकुश पाल, मुकेश कुमार सोनी व राम बहादुर पाल के रुप में पहचान हुई। जिनके कब्जे से बोलेरो के अंदर से चोरी गई बेस कीमती अष्टधातु की प्राचीन मूर्ति, कपड़ा श्रृंगार सहित श्री राम, जानकी माता व लक्ष्मण की प्रतिमा बरामद हुई जिनकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में तकरीबन 30 करोड़ आंकी गई है। पुलिस टीम ने चोरी की इस घटना में प्रयुक्त बोलेरो वाहन को भी बरामद कर लिया है। शनिवार को पुलिस लाइन स्थित सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक ओपी सिंह एवं क्षेत्राधिकार सदर अमर बहादुर ने संयुक्त रूप से मीडिया के लोगों को मूर्ति चोरी में पकड़े गए लोगों के हवाले से जो जानकारी दी है वह काफी चौंकाने वाला है। पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार बाबा बंशीदास ने बताया कि वह लगभग 3 वर्षों से कठिनई मंदिर की देखरेख कर रहा था। मंदिर के स्वामित्व को लेकर उसके गुरु महाराज जयरामदास व सतुआ बाबा के बीच पूर्व से ही विवाद चल रहा है। जब इस विवाद की उसे जानकारी हुई तो वह जयरामदास की मदद में आ गया और जयरामदास ने ही उससे वादा किया था कि सतुआ बाबा से विवाद खत्म होने पर सारी संपत्ति का स्वामी उसे वह बना देंगे, लेकिन डेम पहले बंशीधर को यह जानकारी हुई कि जयरामदास या गाड़ी उसे न देकर अपने भतीजे को देना चाहते है तभी उसने प्लान बना लिया कि मंदिर की अष्टधातु की बेश कीमती मूर्ति को चोरी कर बेचकर वह कहीं दूर जाकर अपना एक अलग मठ बना लेगा।

ओवरटेक करने के चक्कर में अंगूर लदा ट्रक पलटा चालक-परिचालक हुए घायल

मीरजापुर(संवाददाता)। जिले के मिर्जापुर–रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग 135 पर स्थित बामी गांव में शनिवार दोपहर एक अंगूर लदा ट्रक ओवरटेक करने के चक्कर में अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे फोर लेन सड़क के एक तरफ का आवागमन बाधित रहा है। संजोग ठीक था कि चालक सहचालक व एक युवक बाल–बाल बच गए। अन्यथा एक बड़ा हादसा होने से इंकार नहीं किया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक लालगंज थाना क्षेत्र के लहंगपुर चौकी अंतर्गत फोरलेन सड़क पर एक ट्रक महाराष्ट्र के सांगली से अंगूर लादकर बंगाल जा रहा था, कि बामी गांव में ओवरटेक के चक्कर में अनियंत्रित होकर ट्रक रोड पर पलट गया। जिससे अंगूर रोड पर बिखर गया तथा आवागमन अवरुद्ध हो गया। चालक राजेश पुत्र स्वर्गीय बाबूलाल रावत 41 वर्ष निवासी मऊगंज रीवा मध्य प्रदेश व सहचालक मिंटू रावत 19 वर्ष निवासी सीतापुर देवतालाब ने बताया कि महाराष्ट्र के सांगली से अंगूर लादकर बंगाल जा रहा था तभी ओवरटेक करने के चक्कर में अनियंत्रित होकर ट्रक पलट गया। वहीं ट्रक में सवार शनि रावत भी बाल बाल बच गया।

मिशन ग्रे हाउस के साथ बड़े पर्दे पर नई शुरुआत के लिए तैयार हैं पूजा शर्मा

पूजा शर्मा ने 2024 में तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो में पोपटलाल की प्रेमिका की भूमिका निभाकर अपने लिए लोगों से बहुत प्यार और फैन्स का सपोर्ट प्राप्त किया। अब वह फिल्म मिशन ग्रे हाउस के साथ बड़े पर्दे पर अपनी नई शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

पूजा, जो अपने सीए फाइनल सेकंड ग्रुप की परीक्षा देने के लिए मुंबई आई थीं, उसने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि वह अभिनेत्री बनेंगी।

अपने मॉडलिंग और अभिनय करियर की शुरुआत के बारे में बताते हुए पूजा ने कहा, मैं मॉल में खरीदारी कर रही थी और एक कास्टिंग वाले ने मुझे किसी प्रसिद्ध सोप के ऑडिशन के लिए इंटरव्यू देने के लिए संपर्क किया, वे रैंडम पब्लिक इंटरव्यू लेते हैं। अगले दिन, उसने मुझे यह कहते हुए बुलाया कि अगर आप ऑडिशन राउंड क्लियर करती हैं और एड के लिए चुनी जाती हैं, तो आपको प्रति दिन चालीस हजार का पेमेंट किया जाएगा शूट के लिए। मैं हैरान थी की सीए में भी प्रति दिन इतने पैसे तो कहा ही मिलेंगे।

टीएमकेओसी के अलावा पूजा छोटी सरदारनी, जौहरी, दस जून की रात जैसे लोकप्रिय शो और वेब सीरीज का भी हिस्सा रही हैं।

मिशन ग्रे हाउस में पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहीं पूजा ने कहा, मैं बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने के लिए उत्साहित हूं और यह एक सपने के सच होने जैसा है। मैं कियारा की भूमिका निभा रही हूं, जो एक पुलिस अधिकारी है और अभिनेता राजेश शर्मा की बेटी है, जो एक वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक भी हैं। मैं फिल्म में हीरो की अच्छी दोस्त हूं। फिल्म की कहानी कुछ इस तरह है कि मैंने अपने पिता को ग्रे हाउस में रहस्यमयी हत्याओं के पीछे की सच्चाई को उजागर करने के लिए हम दोनों को एक खतरनाक मिशन पर भेजने के लिए राजी किया और हम इस रहस्य को कैसे सुलझाते हैं।

कंगना की फिल्म इमरजेंसी रिलीज

कंगना रनौत की इमरजेंसी फिल्म 17 जनवरी यानी आज रिलीज हो गई है, फिल्म का निर्देशन कंगना रनौत ने किया है जबकि फिल्म में कंगना रनौत के अलावा श्रेयस तलपदे, सतीश कौशिक, विशाक नायर, मिलिंद सोमन और अनुपम खेर नजर आते हैं। फिल्म की कहानी इंदिरा गांधी के बचपन से शुरू होती है। फिल्म में दिखाया जाता है कि किस तरह उनके अपनी बुआ विजय लक्ष्मी के साथ संबंध ा अच्छे नहीं होते हैं। पिता और पति के साथ संबंधो में भी उतार चढ़ाव रहते हैं।

फिल्म की कहानी में इंदिरा गांधी की जिंदगी की अहम घटनाओं को कवर किया गया है। इनमें उनका प्रधानमंत्री बनने से लेकर ऑप्रेशन ब्लू स्टार तक शामिल है। फिल्म की स्क्रिप्ट काफी कमजोर है, सिर्फ घटनाओं का ब्योरा मात्र आता है और उन्हें स्थापित नहीं किया जाता है। फिर स्क्रिप्ट में सबसे बड़ी कमी यह है कि ये बहुत ही ज्यादा ड्रामैटिक है और फिल्म में शुरू से ही एक टोन सेट कर दी जाती है। सबसे अजीब संसद में अटल बिहारी वाजपेयी और जगजीवन राम का गाना है जिसमें इंदिरा गांधी भी उनका साथ देती हैं।

पहले ही सीन से इंदिरा और उनके रिश्तों को लेकर एक नेगिटिविटी दिखाई जाती है। अपोजिशन लीडर्स शुरू से ही चमकते नजर आते हैं। इंदिरा को अधिकतर मौकों पर बेहद कमजोर दिखाया गया है। जिस तरह की एक्टिंग हुई है वो मजाक से कम नहीं। इमरजेंसी कुल मिलाकर ना तो मनोरंजन करती है और ना ही इतिहास से इंसाफ। जहां कंगना कंगना रहती हैं वहां अच्छा लगता है, जहां वो इंदिरा बनती हैं, वहां बिल्कुल भी इम्प्रेसिव नहीं है। संजय गांधी के रोल में विशाक नायर ने अच्छा काम किया है। सैम मानेक शॉ के रोल में मिलिंद सोमन जमे हैं। सेकंड हाफ पहले हाफ के कमपैरीजन में अच्छा है। लेकिन बायोपिक बनाते समय जिस तरह की सावधानियां और बारीकियों की जरूरत होती है, कंगना उनमें पूरी तरह चूक गई है। ¼fgQh½

आल ब्लैक आउटफिट पहन कैमरे के सामने सुरभि चंदना ने शेयर किया हाट लुक, एक्ट्रेस की अदाएं देख फैंस हुए बेकाबू

टीवी एक्ट्रेस सुरभि चंदना हमेशा अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें साझा की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर लोगों की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही हैं।

एक्ट्रेस सुरभि चंदना टीवी की फेमस एक्ट्रेस हैं। वो जितनी ही कमाल की अभिनेत्री हैं, उतना ही कूल उनका ड्रेसिंग सेंस भी है। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से छा जाता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने ब्लैक कलर की वन साइड शोल्डर ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने अपने आउटलुक को कंप्लीट करने के लिए खुले बाल, कानों में इयररिंग्स पहनकर अपने इस लुक को शानदार तरीके से निखारा है।

सुरभि चंदना कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज देती हुई सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा रही हैं। वहीं, यूजर्स भी उनके इस लुक को देखकर कॉमेंट करते हुए नजर आ रहे हैं।

एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है– सो ब्यूटिफुल। दूसरे यूजर ने लिखा है– हॉटनेस। तीसरे यूजर ने लिखा है– सेक्सी एंड ग्लैमरस। ऐसे ही एक के बाद एक यूजर्स कॉमेंट करते हैं।

बाक्स आफिस पर गेम चेंजर की दैनिक कमाई में गिरावट जारी, सोनू सूद की फतेह ने तोड़ा दम

सुपरस्टार राम चरण और कियारा आडवाणी की पैन–इंडिया फिल्म गेम चेंजर को सिनेमाघरों में रिलीज का एक सप्ताह पूरा गया है और यह दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने के लिए संघर्ष कर रही है।

इस फिल्म से निर्माताओं को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस इसका हाल–बेहाल है। हर गुजरते दिन के साथ फिल्म के कारोबार में गिरावट जारी है।

आइए बताते हैं गेम चेंजर ने रिलीज के सातवें दिन कितने करोड़ रुपये का कारोबार किया है।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, गेम चेंजर ने रिलीज के सातवें दिन यानी गुरुवार को 4.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 117.90 करोड़ रुपये हो गया है। इस फिल्म का बजट 400 करोड़ रुपये बताजा जा रहा है।

एस शंकर के निर्देशन में बनी फिल्म गेम चेंजर एक राजनीतिक ड्रामा है, जिसमें राम चरण पिता और पुत्र की दोहरी भूमिका में हैं।

एसजे सूर्या, जयराम और सुनील भी फिल्म का हिस्सा हैं।

सोनू सूद की फिल्म फतेह 10 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, लेकिन पहले दिन से इसका बॉक्स ऑफिस हाल–बेहाल है।

इस फिल्म से सोनू को काफी उम्मीदें थीं। हालांकि, यह टिकट खिड़की पर दर्शकों के लिए तरस रही है।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, फतेह ने अपनी रिलीज के सातवें दिन यानी पहले गुरुवार को 66 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 11.01 करोड़ रुपये हो गया है।

17 जनवरी को कंगना रनौत और अनुपम खेर की बहुचर्चित फिल्म इमरजेंसी को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है। इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

लवयापा का रोमांटिक ट्रैक रहना कोल रिलीज, जुनैद खान और खुशी कपूर की दिखी खूबसूरत केमिस्ट्री

जुनैद खान और खुशी कपूर की रोमांटिक कॉमेडी लवयापा को लेकर काफी चर्चा हो रही है. ये दोनों की थिएट्रिकल डेब्यू है, जिसमें वो एक मॉडर्न रोमांस ड्रामा लेकर आ रहे हैं. लोग इसे देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं. फिल्म का पहला गाना लवयापा हो गया पहले ही धमाल मचा चुका है, जिस पर हर कोई झूम रहा है. वहीं, इसका ट्रेलर प्यार और मजेदार रोमांस पर एकदम जेन–जेड अंदाज पेश करता है, जो लोगों को काफी पसंद आ रहा है. काफी इंतजार के बाद मेकर्स ने अब फिल्म का दूसरा गाना रहना कोल रिलीज कर दिया है. यह एक खूबसूरत रोमांटिक गाना है, जो फिल्म की खूबसूरती को और बढ़ा देता है.

इस गाने में फ्रेशनेस और प्यार का ऐसा तड़का है, जो हर किसी को वैलेंटाइन मूड में ला देगा. जुनैद खान और खुशी कपूर की केमिस्ट्री और परफॉर्मेंस गाने में दिल छू लेने वाली है, जो प्यार की फीलिंग को बहुत अच्छे से बयां करती है. इनकी नैचुरल केमिस्ट्री देखकर दिल में सच में तितलियां उड़ने लगेंगी. ये गाना अपने चार्म और फील के साथ साल का लव एंथम बनने वाला है.रहना कोल को जुबिन नौटियाल और जहरा एस खान ने बेहद खूबसूरती से गाया है, और इसके बोल गुरप्रीत सैनी ने लिखे हैं. तनिष्क बागची की कंपोजीशन गाने के रोमांटिक और आकर्षक माहौल को और बढ़ा देती है, जिससे ये गाना बार–बार सुनने के लिए एकदम परफेक्ट बन जाता है. परफेक्शनिस्ट फराह खान द्वारा कोरियोग्राफ किया गया ये गाना हर चीज में खास है और इसे देखना एकदम लाजवाब अनुभव है.

लवयापा, जो मॉडर्न रोमांस की दुनिया में सेट है, एक दिल छू लेने वाली कहानी पेश करती है. इसमें दमदार परफॉर्मेंस, जोश से भरा म्यूजिक और खूबसूरत विजुअल्स ने इसे खास बना दिया है. फिल्म न केवल रोमांस को एक नई तरह से दिखाती है, बल्कि इसमें ऐसी बातें भी हैं जो दर्शकों को लंबे समय तक याद रहेंगी. प्यार के हर रंग को सेलिब्रेट करती लवयापा हर उम्र के दर्शकों के दिलों को छूने के लिए तैयार है. यह फिल्म 2025 की सबसे एक्साइटिंग सिनेमेटिक एक्सपीरियंस में से एक बनने वाली है.इस वैलेंटाइन सीजन को खास बनाने के लिए अपना कैलेंडर मार्क कर लें. प्यार की इस जादुई सफर का हिस्सा बनने के लिए तैयार हो जाइए

कम अवधि में ही स्मिता ने कमाया बड़ा नाम

17 अक्टूबर 1955 को जन्मी स्मिता पाटिल एक प्रतिष्ठित भारतीय अभिनेत्री थीं जो मुख्यधारा और समानांतर सिनेमा में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जानी जाती थीं। स्मिता के पिता, शिवाजीराव गिरधर पाटिल, एक प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ थे, और उनकी माँ, विद्याताई पाटिल, महाराष्ट्र के खानदेश क्षेत्र के शिरपुर गाँव में एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में काम करती थीं। सिनेमा में स्मिता पाटिल का सफर उल्लेखनीय से कम नहीं था। उन्होंने 1970 के दशक के अंत में अभिनय करना शुरू किया और अपने असाधारण प्रदर्शन के लिए जल्द ही पहचान हासिल कर ली। 1970 में, स्मिता ने मुंबई दूरदर्शन के लिए न्यूजरीडर के रूप में टेलीविजन पर अपनी शुरुआत की।

उन्होंने अपने सम्मोहक परफॉर्मेंस और प्रभावशाली भूमिकाओं से अपने लिए एक अलग पहचान बनाई। उन्होंने इस धारणा का खंडन किया कि फिल्म अभिनेत्रियों की त्वचा गोरी होनी चाहिए। उन्होंने अपनी सांवली त्वचा और प्रभावशाली अभिनय क्षमता की बदौलत लाखों लोगों के दिलों पर राज किया। उन्होंने मराठी फिल्म उद्योग और बॉलीवुड में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पाटिल की प्रतिभा और समर्पण ने उन्हें कई प्रशंसाएं दिलाईं और फिल्म प्रेमियों के दिलों में स्थायी जगह बनाई। ¼fgQh½

मां शारदा धाम में श्रीमहंत अर्जुन दास महाराज ने किया दर्शन व कन्या पूजन

पूजनोपरांत श्री महराज ने ब्राह्मणों व कन्याओं को कराया भोजन

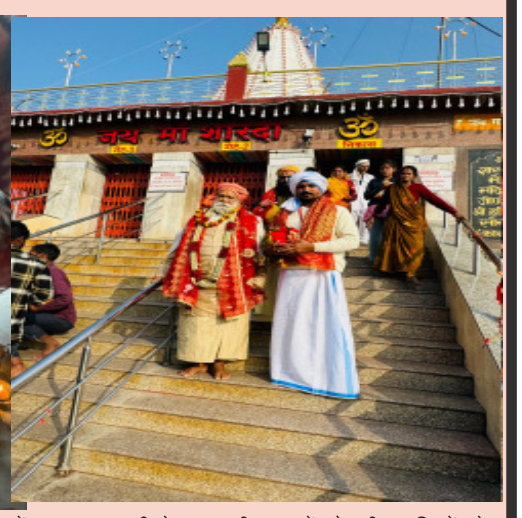

महाकुम्भ नगर। मैहर स्थित मां शारदा धाम में बैरागी संत चक्रवर्ती सम्राट महामंडलेश्वर स्वामी अर्जुन दास जी महाराज ने गत दिवस मैहर स्थित मां शारदा धाम में जाकर प्रोटोकॉल के तहत मां शारदा का विधिवत पूजन किया। पूजन के बाद उन्होंने मां शारदा की आरती भी की। आरती और पूजन के बाद उन्होंने श्री सत्यनारायण भगवान की कथा सुनी।कथा सुनने के बाद श्री महाराज जी ने दर्जनों कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया और उपहार भी भेट किया। सबसे आखिर मे उन्होने भंडारे का आयोजन किया जिसमें ब्राह्मणों और दीन दुखियों को भोजन कराया।भोजन के दौरान श्री महाराज जी ने उन सभी ब्राह्मणों और दीन दुखियों को दक्षिणा भी भेंट किया।इस संबंध में श्री महाराज ने बताया कि कुम्भ प्रवास के दौरान वह समय निकाल कर प्रयागराज के आस–पास स्थित विभिन्न धार्मिक स्थलों का दर्शन करते है।श्री महाराज ने बताया कि शीघ्र ही वह चित्रकूट दोबारा जाएंगे जहां श्री कामतानाथ जी महाराज की प्रदक्षिणा करेंगे। उल्लेखनीय है कि श्री महाराज जी के शिविर में भंडारा व विभिन्न प्रकार के धार्मिक कार्यकम अनवरत संचालित हो रहे हैं। जिसमें भारी संख्या में संत व भक्तगण शामिल हो रहे हैं। शिविर में सभी कार्यक्रम आगामी 4 फरवरी तक लगातार संचालित होते रहेंगे।

प्रयागराज महाकुंभ में आस्था के साथ अर्थव्यवस्था का भी संगम

अस्थाई ही सही करीब 6 से 10 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार'

लखनऊ।कारोबार और रोजगार एक दूसरे के पूरक हैं। अगर कारोबार होगा तो रोजी रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इसमें से कुछ रोजगार स्थाई होंगे कुछ स्थाई। पर इससे संबंधित लोगों का जीवन पहले से खुशहाल हो जाएगा। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ भी इसका अपवाद नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद कह चुके हैं कि पौष पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक करीब डेढ़ महीने के इस आयोजन में करीब 40 करोड़ श्रद्धालुध पर्यटक आएंगे। अगर औसतन एक पर्यटक अपनी बुनियादी जरूरतों पर लगभग 5000 रुपए खर्च करे तो इस दौरान करीब दो लाख करोड़ रुपए का कारोबार होगा। एक्सपर्ट्स के अनुसार करीब डेढ़ महीने का यह कारोबार संबंधित लोगों के लिए आठ महीने के कारोबार के बराबर होगा। इसका बड़ा हिस्सा करीब (25 हजार करोड़ रुपए) टैक्स के रूप में सरकार को मिलेगा। साथ ही देश की जीडीपी में भी इसका.03 फीसद का योगदान होगा।

इन्फ्रास्ट्रक्चर, लाजिस्टिक्स, ट्रांसपोर्टेशन, हॉस्पिटैलिटी में मिला लोगों को रोजगार

प्रयाग महाकुंभ के दौरान कारोबार के साथ रोजगार के भी अवसर बढ़ेंगे। इस बाबत विभिन्न एजेंसियों के रुझान भी आने लगे हैं। स्टैफिंग रिक्रूमेंट सर्विसेज और फर्स्ट मेरिडियन ग्लोबल के मुताबिक महाकुंभ के दौरान 6 से लाख लेकर 10 लाखअस्थाई रोजगार सृजित होंगे। इसमें कुंभ की बसाहट और इन्फ्रास्ट्रक्चर संबंधी अन्य काम, लाजिस्टिक्स, ट्रांसपोर्टेशन, डेटा एनलिस्ट, डिजिटल सुरक्षा, ब्रांडिंग, मार्केटिंग के लिए बैनर, पोस्टर और फ्लेक्स, सोशल इन्फ्लूएंसर, हॉस्पिटैलिटी, इवेंट्स मैनेजमेंट आदि के क्षेत्र शामिल हैं।

स्थानीय कारोबारियों को भी होगा लाभ

इसके अलावा स्थानीय स्तर पर प्रसाद (लाचीदाना, लइया, फूल, माला, दूध से लेकर मिठाई) बेचने वालों, नाई, पुरोहित, सिंदूर, बिंदी, चूड़ी, और टिकुली आदि बेचने वाले सबके हिस्से में कुछ न कुछ आना है। यकीनन यह औसत दिनों से कई गुना होगा। यही स्थिति कमोबेश स्थाई दुकानदारों की भी होगी।

काशी और अयोध्या की अर्थव्यवस्था में भी बूम

कारोबार और रोजगार यह क्रम विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन प्रयागराज के महाकुंभ तक ही सीमित नहीं है। अगर तीनों लोगों से न्यारी शिव की काशी में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर बनने के बाद वहां 2023 में करीब 10 लाख पर्यटक आए तो तो यकीनन उन्होंने काशी और प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया होगा। यही स्थिति अयोध्या की भी है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यहां पर्यटकोंश्रद्धालुओं के आने का सारा रिकॉर्ड टूट गया। मौजूदा समय में हर रोज आने वाले पर्यटकोंध श्रद्धालुओं की संख्या के हिसाब से देश के प्रमुख धर्मस्थलों में नंबर एक पर है। जिस अयोध्या में 2016 से पहले हर साल औसतन 2. 83 लाख पर्यटकोंध श्रद्धालुओं का आगमन होता था। अब वहां रोज लगभग एक से डेढ़ लाख लोग आ रहे हैं। सितंबर 2024 तक अयोध्या में करीब 13.50 करोड़ पर्यटक एवं श्रद्धालु आ चुके थे। अनुमान है कि साल के अंत तक यह संख्या 16 करोड़ के आसपास रही होगी। अयोध्या के कारोबारी खुद कहते हैं कि अब हम महीने में हजार की जगह लाख कमा ले रहे हैं। किसी खास अवसर पर होटल पहले से बुक हो जाते हैं। ऑक्यूपेंसी बढ़ने के साथ कुछ नए होटल भी खुले हैं। कुछ ने खुद को रिनोवेट कराया है कुछ ने विस्तार कर अपनी ऑक्यूपेंसी भी बढ़ाई है। ताज सहित कई नामचीन ब्रांड वहां होटल बनाने जा रहे हैं। कई और पाइपलाइन में हैं। कारोबार और रोजगार के हिसाब से हर ध ार्मिक स्थल की यही स्थित है। यही नहीं एक जगह की प्रगति का लाभ दूसरी जगह को भी मिल रहा है।

महाकुंभ इसका उदाहरण हैं। प्रयाग में दूर दराज से संगम में पुण्य की डुबकी लगाने के बाद इनमें से कइयों का गंतव्य काशी, अयोध्या के साथ कुछ हद तक विंध्याचल भी है। इसकी शुरुआत भी हो चुकी है। महाकुंभ के दौरान यहां बढ़ने वाले पर्यटकोंश्रद्धालुओं की संख्या इसका प्रमाण है। इन जगहों पर जाने वालों की सुविधा, सुरक्षा का योगी सरकार का पूरा ध्यान है।

महाकुम्भ में श्रद्धालुओं की सुविधा को 25 हजार नए राशन कार्ड बनाए गए

12 हजार लोग अब तक राशन ले जा चुके हैं 35 हजार से ज्यादा गैस सिलेंडर रिफिल कराए गए

महाकुम्भनगर।महाकुम्भ में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 25 हजार नए राशन कार्ड बनाए गए हैं जिसमें 12 हजार लोग अब तक राशन ले जा चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बार महाकुम्भ में श्रद्धालुओं के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। 35 हजार से ज्यादा गैस सिलेंडर रिफिल कराए जा चुके हैं तो 3500 नए कनेक्शन भी जारी किए गए हैं। मेले में 5000 गैस सिलेंडर प्रतिदिन के हिसाब से रिफिल करने का काम किया जा रहा है।

खाद्य सामग्री की नहीं होने पाएगी कोई कमी

महाकुम्भ में आने वाले कल्पवासियों और संस्थाओं के लिए सीएम योगी ने इस बार विशेष इंतजाम किए हैं। इन्हें राशन उपलब्ध कराने के लिए महाकुम्भनगर में 25,000 नए राशन कार्ड बनाए गए हैं। महाकुम्भनगर के जिला पूर्ति अधिकारी सुनील सिंह ने बताया कि अब तक 12,000 से अधिक लोग राशन प्राप्त कर चुके हैं और यह प्रक्रिया निरंतर जारी है। ताकि किसी को भी यहां खाद्य सामग्री की कमी का सामना न करना पड़े। यह कदम आयोजन के दौरान लोगों के लिए एक बड़ी राहत साबित हो रहा है।

महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं

महाकुम्भ नगर में खानपान की व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए अब तक 35,000 से ज्यादा गैस सिलेंडरों को रिफिल किया जा चुका है। इसके अलावा 3,500 नए गैस कनेक्शन भी जारी किए गए हैं। जिला पूर्ति अधिकारी सुनील सिंह ने बताया कि प्रतिदिन 5,000 गैस सिलेंडरों की रिफिलिंग की जा रही है। जिससे महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

आटा 5 रुपये और चावल 6 रुपये प्रति किलो

महाकुम्भ के आयोजन में अखाड़ों और कल्पवासियों के लिए प्रमुखता से खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इन लोगों के लिए आटा 5 रुपये और चावल 6 रुपये प्रति किलो की दर से उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा, मेला क्षेत्र में 138 दुकानों पर विशेष इंतजाम किए गए हैं, जहां श्रद्धालु उचित मूल्य पर आवश्यक वस्तुएं प्राप्त कर सकते हैं।

सभी सेक्टरों में गैस कनेक्शन व्यवस्था

महाकुम्भ में अखाड़ों, कल्पवासियों और संस्थाओं को गैस सिलेंडर की आवश्यकता होती है। इसके लिए मेला क्षेत्र के सभी सेक्टरों में एजेंसियां गैस कनेक्शन उपलब्ध करा रही हैं।

खिचड़ी भोज का आयोजन हमें एकता का संदेश देता - राजेश वर्मा

महमूदाबादध्सीतापुर(संवाददाता)। खिचड़ी भोज का आयोजन हमें एकता का संदेश देता है। ऐसे आयोजनों से जहां जाति–पांति के भेदभाव को समाज में कम करने में मदद मिलती है वहीं संगठन को मजबूती मिलती है। संगठन के पुराने पदाधिकारियों से नवनिर्वाचित पदाधिकारी सहयोग लें। उक्त बातें पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष पूर्व सांसद राजेश वर्मा ने रामकुमार वर्मा व बेचू पहलवान लान में आयोजित खिचड़ी भोज के दौरान मौजूद पार्टी के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि नव निर्वाचित मंडल अध्यक्ष पुराने मंडल अध्यक्षों से अनुभव लें और उससे सीख लेकर सतर्कतापूर्वक निष्ठा के साथ पार्टी को आगे बढ़ाने का काम करें। आयोग के अध्यक्ष, विधायक आशा मौर्या, एमएलसी पवन सिंह, जिला उपाध्यक्ष नीरज वर्मा, पूर्व विधायक लहरपुर सुनील वर्मा का रामकुमार वर्मा, पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रवीण वर्मा, कपिल वर्मा ने माल्यार्पण, पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया। बेचू पहलवान लान में आयोजित खिचड़ी भोज में पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा, जिला उपाध्यक्ष नीरज वर्मा, पूर्व विधायक लहरपुर सुनील वर्मा का संजय वर्मा, जिला प्रभारी रमा शंकर वर्मा ने पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया

निर्वाणी खाकी अखाड़े में आयोजित हुआ वृहद भंडारा

साकेतवासी श्रीमहंत जगन्नाथ दास जी महाराज की पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया गया।

महाकुम्भ नगर।सेक्टर 20 अन्तर्गत अखाड़ा क्षेत्र स्थित अखिल भारतीय श्रीरामानन्दीय खाकी अखाड़े में आज साकेतवासी जगन्नाथ दास जी महाराज की पुण्यतिथि पर उनके कृपापात्र सूरत गुजरात स्थित लम्बे हनुमान जी मंदिर के श्रीमहंत रामनरेश दास जी महाराज द्वारा एक वृहद भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें भारी संख्या में संतों एवं भक्तों ने शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। प्रसाद पाने वाले संतों एवं भक्तों को दक्षिणा व दैनिक उपयोग की वस्तुएं भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रीमहंत रामनरेश दास जी महाराज ने कहा कि गुरू की कृपा के बिना शिष्य को लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि उनके गुरु की कृपा उन पर हमेशा बनी रहती है। इसके पूर्व साकेवासी श्री महाराज जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में प्रमुख रूप से श्रीमहंत मुरली दास जी महाराज,श्रीमहंत मोहन दास जी महाराज, श्रीमहंत वैष्णव दास जी महाराज, श्रीमहंत माध्वाचार्य जी महाराज, श्रीमहंत गोबिंद दास जी महाराज श्री महंत श्रीमहंत राजेन्द्र दास जी महाराज, श्रीमहंत रामजी दास महाराज, श्रीमहंत नरेंद्र दास जी महाराज,श्रीमहंत राम किशोर शास्त्री जी महाराजव श्रीमहंत गोबिंद दास जी महाराज आदि रहे।

महाकुम्भ के कुशल संचालन के लिए रक्षा मंत्री ने सीएम योगी को दी बधाई

प्रयागराज दौरे पर राजनाथ सिंह ने कहा, जिस श्रद्धा भाव से यह आयोजन किया जा रहा है उसके लिए मुख्यमंत्री को साधुवाद

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ 2025 के कुशल संचालन को लेकर भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जमकर सराहना की और उन्हें साधुवाद दिया। अपने प्रयागराज दौरे पर त्रिवेणी संगम मैं आस्था की डुबकी लगाने के बाद रक्षा मंत्री ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े आयोजन और सबसे बड़े जन समागम का कुशल संचालन जिस तरह से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा किया गया है वह सराहनीय है। जिस श्रद्धा भाव से यह आयोजन किया जा रहा है उसके लिए मुख्यमंत्री को साधुवाद देता हूं। प्रशासनिक दृष्टि से भी यह आयोजन ऐतिहासिक उपलब्धि है। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बधाई के पात्र हैं।

महाकुम्भ में संगम स्नान करना मेरा सौभाग्य - रक्षा मंत्री

भारतीयता को समझना है तो महाकुम्भ में आईए- रक्षा मंत्री केंद्रीय रक्षा मंत्री ने पवित्र संगम में लगाई आस्था की डुबकी

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज में संगम तट पर सनातन संस्कृति के महापर्व महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है। महाकुम्भ के महासम्मेलन में भाग लेने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को प्रयागराज पहुंचे। बमरौली हवाई अड्डे पर उन्हें विधायक मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ने रिसीव किया। राजनाथ सिंह के साथ सांसद सुधांशु त्रिवेदी भी मौजूद रहे। प्रयागराज पहुंच कर रक्षा मंत्री ने सबसे पहले गंगा, यमुना, सरस्वती के पवित्र त्रिवेणी संगम में स्नान कर, सनातन की जय, गंगा मैय्या की जय का उद्घोष किया। उन्होंने संगम तट से अक्षयवट, पातालपुरी और बड़े हनुमान जी का दर्शन कर, महाकुम्भ की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रक्षा मंत्री शाम को सेना के अधिकारियों के साथ महाकुम्भ की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मीटिंग भी करेंगे।महाकुम्भ के दिव्य अवसर पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राज्य सभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने पवित्र त्रिवेणी संगम में स्नान किया। मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने मां गंगा के जल का आचमन कर भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया और राष्ट्र की मंगलकामना की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ष्मैं इसे अपना सौभाग्य मानता हूं कि आज प्रयागराज, संगम में मैंने स्नान किया। यह भारतीयता का आध्यात्मिक व सांस्कृतिक महापर्व है। किसी पंथ, समुदाय या धर्म के साथ इसे जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। किसी को यदि भारत और भारतीयता को समझना है तो आकर महाकुंभ को देखिए... ष्क्षा मंत्री अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बमरौली हवाई अड्डे से हेलीकॉप्टर से डीपीएस ग्राउंड नैनी पहुंचे। नैनी के अरैल घाट से जेटी के जरिए संगम पहुंच कर स्नान किया। संगम से वीआईपी घाट पर उतर कर अक्षयवट कॉरीडोर में प्रयागराज के छत्र अक्षयवट का दर्शन पूजन किया। इसके बाद रक्षा मंत्री ने पातालपुरी मंदिर और सरस्वती कूप का भी दर्शन किया। वहां से निकल कर बड़े हनुमान जी का दर्शन कर मंदिर में विशेष पूजन अर्चन किया।मंदिर के पुजारी जी का हाल चाल लिया और महाकुम्भ के लिए की गई व्यवस्था के बारे में भी पूछा।मंदिर में दर्शन पूजन कर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मेले का भ्रमण करते हुए सर्किट हाउस की ओर रवाना हुए। इस बीच साधु –संतों से मुलाकात के बाद रक्षा मंत्री महाकुम्भ में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर में सेना के अधिकारियों से मीटिंग भी करेंगे। महाकुम्भ में आतंकी हमले की धमकी और बम मिलने की अफवाह के मुताबिक किए गये सुरक्षा इंतजामों की भी उन्होंने जानकारी ली।

सनातन धर्म की फौज नागा संन्यासियों की दीक्षा का साक्षी बना महाकुम्भ

जूना अखाड़े में पहले चरण में 1500 अधिक नागा संन्यासियों का हुआ दीक्षा संस्कार महा कुम्भ में 5 हजार से अधिक नागाओं की फौज होगी अखाड़ों में शामिल

महा कुम्भ नगर।प्रयागराज महाकुम्भ का श्रृंगार है यहां सेक्टर 20 में मौजूद सनातन धर्म के ध्वज वाहक 13 अखाड़े। महा कुम्भ नगर में जन आस्था के केंद्र इन अखाड़ों के नागा संन्यासियों की फौज में नई भर्ती का सिलसिला शुरू हो गया है। गंगा के तट पर श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के अवधूतों को नागा दीक्षा की प्रक्रिया शुरू हो गई। संन्यासी अखाड़ों में सबसे अधिक नागा संन्यासियों वाला अखाड़ा है श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा जिसमें निरंतर नागाओं की संख्या बढ़ती जा रही है जिसके विस्तार की प्रक्रिया शनिवार से शुरू हो गई।

श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के 1500 अवधूत बने नागा संन्यासी

भगवान शिव के दिगम्बर भक्त नागा सन्यासी महाकुम्भ में सबका ध यान अपनी तरह खींचते हैं और यही वजह है शायद कि महाकुम्भ में सबसे अधिक जन आस्था का सैलाब जूना अखाड़े के शिविर में दिखता है। अखाड़ों की छावनी की जगह सेक्टर 20 में गंगा का तट इन नागा संन्यासियों की उस परम्परा का साक्षी बना जिसका इंतजार हर 12 साल में अखाड़ों के अवधूत करते हैं । श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय मंत्री श्री महंत चौतन्य पुरी ने बताया कि शनिवार को नागा दीक्षा की शुरुआत हो गई है। पहले चरण में 1500 से अधिक अवधूत को नागा संन्यासी की दीक्षा दी जा रही है । नागा संन्यासियों की संख्या में जूना अखाड़ा सबसे आगे है जिसमे अभी 5. 3 लाख से अधिक नागा संन्यासी हैं।

महाकुम्भ और नागा संन्यासियों का दीक्षा कनेक्शन

नागा संन्यासियों केवल कुंभ में बनते है वहीं उनकी दीक्षा होती है। सबसे पहले साधक को ब्रह्मचारी के रूप में रहना पड़ता है। उसे तीन साल गुरुओं की सेवा करने और धर्म–कर्म और अखाड़ों के नियमों को समझना होता है। इसी अवधि में ब्रह्मचर्य की परीक्षा ली जाती है। अगर अखाड़ा और उस व्यक्ति का गुरु यह निश्चित कर ले कि वह दीक्षा देने लायक हो चुका है तो फिर उसे अगली प्रक्रिया में ले जाया जाता है। यह प्रकिया महाकुम्भ में होती है जहां वह ब्रह्मचारी से उसे महापुरुष और फिर अवधूत बनाया जाता है। महाकुम्भ में गंगा किनारे उनका मुंडन कराने के साथ उसे 108 बार महाकुम्भ की नदी में डुबकी लगवाई जाती है। अन्तिम प्रक्रिया में उनका स्वयं का पिण्डदान तथा दण्डी संस्कार आदि शामिल होता है। अखाड़े की धर्म ध्वजा के नीचे अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर उसे नागा दीक्षा देते है।

महाकुम्भ का भव्य आयोजन देख साधु संत बोले- सीएम योगी बने भगीरथ

देश के कोने-कोने से पहुचे संत-महात्मा बोले, योगी देश के इकलौते ऐसे सीएम हैं, जो पूरे विश्व के संतों और सनातनियों के बारे में सोचते हैं

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ में संगम स्नान के लिए भारत के हर राज्य से करोड़ों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इनके अलावा साधु संत भी बड़ी तादात में आए हैं, जो गंगा किनारे धूनी रमाए आपको चौबीसों घंटे दिख जाएंगे। महाकुम्भ में इन साधु संतों का बड़ा अनोखा संसार बसा है। कोई बाबा रबड़ी खिला रहे हैं, तो कोई श्रद्धालुओं को सैर करा रहे हैं। इनके अलावा बंगाली बाबा और बड़े बाबा की बड़ी बड़ी बातें सुननी हों, तो महाकुम्भ जरूर आइए। आप इन संतों से बात करिए तो इस महान आयोजन का पूरा श्रेय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देते हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, उड़ीसा, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना और जम्मू से बड़ी संख्या में साधु संत महाकुम्भ पहुंचे हैं। उनका कहना है कि संगम किनारे हम जो राम नाम का जप कर रहे हैं, वो योगी महराज की कृपा से ही संभव हो पाया है। उन्होंने कहा, योगी देश के इकलौते ऐसे सीएम हैं, जो पूरे विश्व के संतों और सनातनियों के बारे में सोचते हैं। साधु बोले– सीएम योगी भगीरथ बनकर नए भारत का आगाज कर रहे हैं। देशभर से महाकुम्भ नगर में जुटे संतों ने जय श्री राम का उदघोष किया। वहीं संगम पर चारो तरफ हर हर गंगे, बम बम भोले गुंजायमान हो गया।

144 वर्ष बाद यह शुभ घड़ी आई

मध्य प्रदेश से आए स्वामी तन्मयनंद पुरी बाबा बताते हैं कि 144 वर्ष बाद यह शुभ घड़ी आई है, जिसके लिए योगी सरकार ने श्रद्धालुओं के लिए बड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की वजह से ही संगम के किनारे रेत पर सुबह शाम साधु संत राम नाम का भजन कर पा रहे हैं। यह सब योगी महाराज की ही कृपा से संभव हो पाया है।

बीमार, असक्त या असमर्थ हैं तो भी इस तरह से कमा सकते हैं पुण्य

मेले में पहुंचे गाड़ी वाले बाबा ने बीमार, असक्त होने या अन्य किसी प्रकार से महाकुम्भ में आने में असमर्थ लोगों को गंगा स्नान का संपूर्ण लाभ लेने का उपाय बताया। उन्होंने कहा कि जो लोग महाकुम्भ आने में किसी कारण से असमर्थ हैं, वह घर में ही गंगाजल लेकर बाल्टी में डालकर पवित्र स्नान करें। इससे गंगा स्नान का पूरा लाभ प्राप्त होगा। गाड़ी वाले बाबा ने योगी सरकार की जमकर प्रशंसा की।

महाकुम्भ में एक अद्भुत प्रसाद बांटने वाले बाबा भी हैं, जो रोज 120 किलो रबड़ी का प्रसाद श्रद्धालुओं को वितरित करते हैं।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।